दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 55/ अंक 133/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, रविवार 07 दिसंबर 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

वित्त मंत्री ने कहा- बजट से पहले कस्टम सिस्टम में बदलाव करेगी सरकार, नियम सरल होंगे

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऐलान किया है कि कस्टम सिस्टम में जल्द ही कई बड़े बदलाव किए जाएंगे। यह सरकार का अगला सबसे बड़ा रिफॉर्म होगा। इसका मकसद रूल्स को सरल बनाना है, ताकि बिजनेस और ट्रेडर्स को परेशानी न हो।

अटूट साहस, दृढ़ संकल्प और अनुशासन... पीएम मोदी ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर की खास अपील

'सशस्त्र सेना झंडा दिवस फंड' में योगदान दें, देश के रक्षकों को करें सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सशस्त्र सेना झंडा दिवस के मौके पर सशस्त्र बलों के प्रति आभार व्यक्त किया और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर पोस्ट किया, ÷सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर, हम उन बहादुर पुरुषों और महिलाओं के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जो अटूट साहस के साथ हमारे देश की रक्षा करते हैं। उनका अनुशासन, दृढ़ संकल्प और भावना हमारे लोगों की रक्षा करती है और हमारे देश को मजबूत बनाती है। उनकी प्रतिबद्धता हमारे देश के प्रति कर्तव्य, अनुशासन और समर्पण का एक शक्तिशाली उदाहरण है। आइए हम भी सशस्त्र सेना झंडा दिवस फंड में योगदान दें।÷ वहीं, सशस्त्र सेना झंडा दिवस के मौके पर रक्षा मंत्रालय के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को सशस्त्र सेना झंडा दिवस का लैपल पिन लगाया। जिसका नेतृत्व पूर्व सैनिक कल्याण विभाग की सचिव सुकृति लिखी ने किया। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने अपनी पूरे एक महीने की सैलरी सशस्त्र सेना झंडा दिवस फंड में दान की।

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने लोगों से अपील करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, सभी नागरिकों से भी अपील की कि वे स्वेच्छा से सशस्त्र सेना झंडा दिवस फंड में योगदान देकर हमारे शहीदों, विकलांग सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति अपना आभार व्यक्त करें।

जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर, मैं हमारे बहादुर सशस्त्र सेना के जवानों और शहीदों को देश के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान और सेवा के लिए दिल से धन्यवाद देता हूं। आइए, हम अपने बहादुर सैनिकों और उनके परिवारों की भलाई और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए सशस्त्र सेना झंडा दिवस फंड में दिल खोलकर दान करें।

क्यों मनाया जाता है सशस्त्र सेना झंडा दिवस?

इस दिन को मनाने के पीछे की वजह शहीद सैनिकों को याद करना और सशस्त्र बलों के लिए धन का संग्रह करना है। इसकेआयोजन का एक कारण सेना के प्रति सम्मान का इजहार करना भी है। सशस्त्र सेना झंडा दिवस के दिन जल, थल और वायु सेना के प्रतिकात्मक छोटे झंडे भी वितरित किए जाते हैं, जिसके बदले देश के नागरिक दान देते हैं। देश के लिए कुर्बान हुए सैनिकों के प्रति यह अपनी भागीदारी निभाने का बड़ा तरीका भी है।

क्या है सशस्त्र सेना झंडा दिवस का इतिहास?

सशस्त्र सेना झंडा दिवस का इतिहास बहुत पुराना है। दरअसल, सरकार ने आजादी के बाद शहीद सैनिकों के परिवारों और साथ ही शारीरिक तौर पर अक्षम सैनिकों के लिए धन जुटाने की शुरुआत की। इसके तहत 28 अगस्त साल 1949 को तब देश के रक्षामंत्री बलदेव सिंह की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया। समिति का गठन रक्षाकर्मियों के कल्याण को ध्यान में रखते ही किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर कार्यशाला में बोले सीएम मोहन यादव

शिक्षा को लेकर प्रदेश लिख रहा नया अध्याय: मोहन यादव

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला हुई। कार्यशाला में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन, उससे जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में कार्यशाला में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह भी मौजूद रहे।

सीएम डॉ मोहन ने कहा-स्कूल शिक्षा के साथ उच्च शिक्षा में भी हमने बदलाव किया.. शिक्षा नीति के साथ योजनाओं के साथ प्लानिंग कर नए तरीके से छात्रों के भविष्य को गढ़ने का काम किया। हमारे प्रदेश में संदीपनी विद्यालय ऐसे हैं जो विश्व स्तरीय चुने गए एक इंदौर एक रतलाम। 370 सांदीपनि विद्यालय बनकर तैयार है। शिक्षा को लेकर प्रदेश नया आयाम नया अध्याय लिख रहा है.. सभी वर्गों की मदद कर हम इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। बीएससी एग्रीकल्चर भी हमने शुरू किया है.. एक विश्वविद्यालय में सभी प्रकार की पढ़ाई के लिए हम काम कर रहे हैं पुरातन काल में भी यही होता था।

मुख्यमंत्री ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर दी बधाई

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सभी को हार्दिक बधाई दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि यह दिन सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के साथ सेना कल्याण कोष में योगदान के लिए हम सभी को प्रेरित करता है। उन्होंने क्यूआर कोड से सैनिक कल्याण के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया से 11 हजार रुपये की राशि भेंट की। मुख्यमंत्री

डॉ. यादव ने सभी से आह्वान किया कि शहीद सैनिकों के परिवारों और शारीरिक रूप से अक्षम सैनिकों के कल्याण के लिए अपना सहयोग दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर मुख्यमंत्री निवास में ब्रिगेडियर अरुण नायर सेना मेडल (से.नि) और संचालक, सैनिक कल्याण बोर्ड ने झंडा लगाकर स्मृति चिन्ह (मोमेन्टो) भेंट किया। सैनिक कल्याण बोर्ड के आर.एन. सिंह तोमर, ग्रीश चंद्र यादव, शैलेश कुमार चौकसे, संजय भील और जसवीर सिंह भी उपस्थित रहे।

गोवा अग्निकांड में 25 लोगों की मौत

बेसमेंट बना काल दम घुटने से हुई दर्दनाक मौतें, सीएम प्रमोद सावंत ने दिए जांच के आदेश

गोवा। गोवा के बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब में शनिवार रात को लगी भीषण आग में 25 लोगों की मौत हो गई. सिलेंडर ब्लास्ट के बाद वहां आग फैली और अफरातफरी में तमाम लोग बेसमेंट की ओर भागे. माना जा रहा है कि बेसमेंट में धुआं भरने से दम घुटने के कारण वहां करीब 20 लोगों की मौत हो गई. इस नाइट क्लब में कल बॉलीवुड नाइट पार्टी का आयोजन किया गया था. जिस क्लब में महफिल और जश्न होता था, आज वहां मौत का सन्नाटा पसरा हुआ था. गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि 25 लोगों की मौत अफसोसनाक है. मृतकों में 3 महिलाएं और 22 पुरुष हैं. इनमें चार

टूरिस्ट हैं, जबकि सात लोगों की पहचान अभी बाकी है. प्रारंभिक जानकारी में बताया जा रहा है कि आग लगने के बाद लोग तेजी से बाहर निकलने लगे, लेकिन वहां काफी भीड़ से कई लोग फंस गए।

पीएम और राष्ट्रपति ने जताया दुख, मुआवजे का किया एलान

गोवा के नाइट क्लब में बीती रात आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई है। शुरुआती जांच में आग लगने की वजह सिलेंडर ब्लास्ट को माना जा रहा है। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत मौके पर पहुंचे हैं। इसी बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हादसे पर शोक व्यक्त किया है। इस हादसे में कई लोगों की जान चली गई। पीड़ित परिवार के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करती हूं। ईश्वर उन्हें इस दुख की घड़ी में शक्ति दे। मैं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य होने की कामना करती हूं।

फ्लाइट रद्द तो ट्रेनों पर टूटी भीड़, 9 तक ट्रेनें फुल

प्रीमियम क्लास की ट्रेनों में AC क्लास में भी रिग्रेट, आईआरसीटीसी वेबसाइट हैंग

नई दिल्ली/मुंबई। इंडिगो कंपनी की हजारों की संख्या में उड़ानें रद्द होने से लंबी दूरी की यात्रा करने वालों ने ट्रेनों की ओर रुख किया है। खासतौर पर सेकंड एसी और फर्स्ट एसी क्लास के बर्थ पूरी तरह से बुक हुए हैं। नागपुर और मुंबई के बीच दौड़ने वाली दुरंतो एक्सप्रेस और विदर्भ एक्सप्रेस में भी 7 से 9 दिसंबर तक सेकंड एसी और फर्स्ट एसी पूरा बुक हो चुका है।

9 तक फर्स्ट ष्ट पैक- बता दें कि नागपुर और मुंबई के बीच हर दिन हजारों यात्री फ्लाइट से आना-जाना करते हैं। दोनों शहरों के बीच दुरंतो और विदर्भ जैसी प्रीमियम और पसंदीदा ट्रेनें भी दौड़ती हैं। दुरंतो में सेकंड एसी का किराया 2,680 और फर्स्ट एसी का किराया 3,275 रुपये होता है। वहीं विदर्भ एक्सप्रेस में क्रमशः 1,730 और 2,890 रुपये किराया रहता है।

आमतौर पर ठंड के दिनों में इन ट्रेनों में आसानी से टिकट उपलब्ध हो जाती है। वहीं सेकंड एसी और फर्स्ट एसी जैसे महंगी क्लास में या तो सीटें उपलब्ध मिलती हैं या थोड़ी ही वेटिंग रहती है। लेकिन, इस रूट पर इंडिगो की उड़ानें रद्द होने के बाद प्रीमियम ट्रेनों के सेकंड एसी और फर्स्ट एसी पूरी तरह पैक हो चुके हैं।

हाल ये है कि ट्रेन 12289 मुंबई दुरंतो में 7, 8 और 9 दिसंबर को फर्स्ट एसी जैसे मंहगी क्लास में भी सीटें फुल हो चुकी हैं। वहीं रविवार, 7 दिसंबर को मुंबई से रवाना होने वाली 12105 विदर्भ एक्सप्रेस का सेकंड एसी क्लास भी रिग्रेट हो चुका है।

सांध्यप्रकाश विशेष

नासा की वो तस्वीर जिसने बदला पृथ्वी को देखने का नजरिया

आज के दिन की कहानी-'ब्लू मार्बल' पिक्चर, जो पृथ्वी की सबसे प्रसिद्ध पिक्चर मानी जाती है, इस साल 53 साल की हो गई है। यह पिक्चर दुनिया भर में बहुत ही लोकप्रिय हुई है।

7 दिसंबर 1972 को अपोलो 17 मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्री Eugene A. Cernan, Ronald E. Evans और Harrison H. Schmitt ने यह पिक्चर खींची थी। इस पिक्चर को 29,000 किलोमीटर (18,000 मील) की ऊंचाई से लिया गया था। यह पिक्चर पूरी पृथ्वी को गोल आकार में दिखाती है। इसे आज तक की सबसे अधिक रेप्रोड्यूस्ड पिक्चर माना जाता है। इस पिक्चर ने दुनिया को पृथ्वी का एक नया और अद्भुत दृष्टिकोण दिखाया। अपोलो 17 के क्रू ने इसे चांद की यात्रा के दौरान खींचा। यह पिक्चर पृथ्वी के दक्षिणी ध्रुव और आस-पास के इलाकों को पहली बार दिखाती है। ब्लू मार्बल पिक्चर, पृथ्वी की पहली गोल आकार में दिखने वाली पिक्चर थी। यह पिक्चर अपोलो 17 मिशन के क्रू ने चांद की यात्रा करते हुए खींची थी। इस पिक्चर में पहली बार पृथ्वी के दक्षिणी ध्रुव को देखा गया।

मोहन सरकार के 2 साल पूरे होने से पहले जोश भरा माहौल, भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का किया अभिनंदन

भोपाल सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव सरकार के दो साल पूरे होने से पहले ही कार्यकर्ताओं में उत्साह चरम पर है। मध्यप्रदेश की मोहन सरकार के दो साल पूरे होने के मौके पर हुजूर विधानसभा के निवासियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सीएम हाउस में अभिनंदन किया। कार्यक्रम में विधायक रामेश्वर शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को आगामी कार्यक्रमों के लिए आमंत्रित भी किया।

सीएम हाउस के समत्व भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कई महत्वपूर्ण और विवादास्पद विषयों पर बात की। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान राम के जन्मस्थान को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला शांतिपूर्ण और धूमधाम से हुआ। भूमिपूजन और मंदिर लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के माध्यम से संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि अयोध्या, काशी और अवंतिका में महालोक छाया है। सीएम मोहन यादव ने विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस कहती है 'आप क्या कर रहे हैं?' और उन्होंने जवाब दिया कि जो उनके पूर्वज नहीं कर पाए, वह काम वर्तमान सरकार कर रही है। उन्होंने प्रदेश की ऐतिहासिक और गौरवशाली विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि राजा भोज और सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर भोपाल में प्रवेश द्वार बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने दिवाली

और रामलीला के प्रतीकात्मक महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 'दिवाली राम के आगमन का उत्सव है, जबकि रावण का वध केवल कलुषित भावना है।' उन्होंने बताया कि उज्जैन से आने वालों को विक्रमादित्य द्वार, नर्मदापुरम से आने वालों को राजा भोज द्वार, विदिशा से आने वालों को सम्राट अशोक द्वार दिखाई देगा। इसके अलावा, भोपाल में भगवान राम और कृष्ण के नाम पर भी द्वार बनेंगे। सीएम मोहन यादव ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान की पवित्रता को याद करते हुए कहा कि 'वो असली संविधान है।' उन्होंने बिना नाम लिए राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 'वो पप्पू कहां से लाता है? जनता ने समझा दिया।' उन्होंने डूबते जहाज का उदाहरण देते हुए विपक्ष पर भी निशाना साधा। गौपालन और ग्रामीण सुरक्षा पर भी मुख्यमंत्री ने जोर दिया। उन्होंने कहा कि जो भी गौशाला चलाएगा, उसका खर्चा सरकार उठाएगी, और प्रदेश में गोपालन को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि भोपाल गैस त्रासदी का कलंक उनके शासनकाल का है और वर्तमान सरकार ने इसे धोने का काम किया। कार्यक्रम में विधायक रामेश्वर शर्मा ने भी अपने संबोधन में सरकार की उपलब्धियों और जनता के लिए किए गए कामों को उजागर किया।

श्रीमद् भागवत कथा की साध्वी कोपिला कुंज ने की पूर्णाहुति

भोपाल सांध्यप्रकाश। श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में विगत एक सप्ताह से रायगढ़ से पधारी साध्वी सुश्री कोपिला कुंज जी द्वारा भागवत कथा की जा रही थी। इसके साथ ही मंदिर में साप्ताहिक पारायण भी हो रही थी। जिसकी पूर्णाहुति शनिवार को हुई। मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या काफी ज्यादा थी। सभी ने भगवान श्री कृष्ण के जीवन के हर स्वरूप को सुश्री कोपिला कुंज जी के मुखारविंद से सुन कर परम आनंद की अनुभूति प्राप्त की। इस अवसर पर आयोजन समन्वयक पुजारी अमरनाथ शर्मा,मंदिर महंत पंडित रूपराज शर्मा, संस्थापक सदस्य पंडित भीखराज त्रिपाठी, अध्यक्ष विनोद परनामी, सत्यभूषण शर्मा, डॉ अतुल दुबे, पंडित रजनीश त्रिपाठी, संदेश शर्मा, विदुषी मीना त्रिपाठी, विदुषी इंदु शर्मा,यशवंत शर्मा, पन्ना लाल द्विवेदी, रामयश पांडे, डॉ लालिमा शर्मा, अशोक शर्मा, राजकुमार दुबे, कीर्ति शर्मा सहित काफी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे। मंदिर सचिव पंडित मम्तेश शर्मा ने बताया की भागवत कथा पूर्णाहुति उपलक्ष्य में रविवार को दोपहर दो बजे से मंदिर प्रांगड़ में विशाल भंडारा आयोजित होगा।

रोटरी क्लब ने दृष्टिबाधित बालिकाओं के लिए की चिकित्सा की पहल

भोपाल सांध्यप्रकाश। अध्यक्ष हर्ष मित्तल ने दृष्टिबाधित बालिकाओं के लिए मानवता से भरी चिकित्सा पहल का नेतृत्व करते हुए नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड की 12 दृष्टिबाधित बालिकाओं को नेत्र चिकित्सा हेतु चोइथराम अस्पताल, इंदौर में विस्तृत जांच के लिए भेजने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई। यह सेवा पहल रोटरी क्लब भोपाल मेन द्वारा ह्वक्रसे अनुमति प्राप्त कराने और निरंतर सहयोग प्रदान करने के उपरांत संभव हुई। इस संपूर्ण प्रक्रिया में डॉ. अराधना सहाय का संवेदनशील मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण रहा, जिसके प्रति क्लब ने गहरा आभार व्यक्त किया है। इस यात्रा में रोटेरियन ग्रुप कैप्टन संजय सक्सेना सर और रोटेरियन अनिल कुमार गुप्ता सर अध्यक्ष हर्ष मित्तल ने बच्चियों का हाथ थामकर पूरी चिकित्सा प्रक्रिया में उनका मनोबल बढ़ाया। रोटेरियन प्रदीप सरकार और रोटेरियन शैलेन्द्र सरन द्वारा प्रातःकाल स्वयं उपस्थित होकर बच्चियों को स्नेहपूर्वक विदा किया। प्रारंभिक चिकित्सा रिपोर्ट के अनुसार 2 बालिकाओं को मैग्निफाइंग ग्लास प्रदान किया गया, 1 बालिका को स्क्विंट हेतु एक माह तक ग्लास उपयोग करने की सलाह के साथ चश्मा दिया गया तथा 1 बालिका के लिए स्क्विंट ऑपरेशन की अनुशंसा की गई है। यह कदम केवल उपचार का प्रयास नहीं, बल्कि इन बालिकाओं के जीवन में नई उम्मीद जगाने की दिशा में एक सशक्त कदम है। रोटरी क्लब भोपाल हिल्स ने इसे रोग निवारण, सामुदायिक स्वास्थ्य और शिक्षा समर्थता जैसे रोटरी के प्रमुख सेवा क्षेत्रों का वास्तविक प्रतिरूप बताया है, और संपूर्ण रोटरी इंटरनेशनल जिला 3040 ने इस मानवीय पहल पर गर्व व्यक्त किया है।

शासकीय माध्यमिक विद्यालय सलैया में एक दिवसीय थियेटर कार्यशाला आयोजित

भोपाल सांध्यप्रकाश। अर्थ कल्चरल एंड थियेटर सोसायटी द्वारा शासकीय माध्यमिक विद्यालय सलैया, भोपाल में एक दिवसीय थियेटर कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का संचालन अर्थ संस्था के सचिव स्कन्द मिश्र और अभिनेता अनिमेष श्रीवास्तव ने किया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, रचनात्मक सोच, टीम वर्क, संवाद कौशल और नेतृत्व जैसी 21 वीं सदी की आवश्यक क्षमताओं का विकास करना था। सत्र के दौरान विद्यार्थियों को थियेटर की महत्ता और आवश्यकता बताने के लिए विभिन्न थियेटर गेम्स और इंप्रोवाइजेशन के अभ्यास कराए गए, जिससे विद्यार्थियों के अन्दर की झिझक खुली और उन्होंने सहज अभिव्यक्ति के साथ समूह में काम करने हुए, दिए गए विषय पर अपने द्वारा रचित छोटे-छोटे नाटकों की प्रस्तुति दी। इस वर्कशॉप में स्कूल के 7 वीं और 8 वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मंच पर बोलने व पात्रों को समझने के अनुभव से अपने आत्मविश्वास और समझ दोनों को ही मज़बूत किया।

थियेटर कैसे जीवन और भविष्य को संवारता है– इसका संदेश 8 वीं की छात्रा सुचिता के उस वक्तव्य में दिखता जब उन्होंने कहा कि सर, मुझे लगता था कि मैं अपनी जिंदगी में कुछ नहीं कर पाऊंगी लेकिन आज मैने जो सीखा उससे लगा है कि अब मैं कुछ भी कर सकती हूं।' सुचिता की ये बात आज की हमारी इस कार्यशाला की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। इस कार्यशाला की दूसरी सबसे बड़ी उपलब्धि ये रही कि जो विद्यार्थी शुरू में अभिनय या दिए गए किसी भी कार्य को करने में झिझक रहे थे उन्होंने ही समापन पश्चात प्रभारी शिक्षक सुश्री माधुरी पाण्डे जी से निवेदन किया कि हमें ये थियेटर क्लास आगे भी चाहिए। माधुरी जी ने तुरंत ही हर शनिवार को ऐसी थियेटर क्लास करने की अनुमति प्रदान की। ऐसे शिक्षक और ऐसे विद्यार्थी होते हैं जो नए विचार अपनाते हैं और भविष्य में अपने मार्ग को सुदृढ़ कर आगे बढ़ते हैं। उपरोक्त उद्देश्यों को लेकर अर्थ कल्चरल एंड थियेटर सोसायटी 8 दिसंबर 2025 को अपनी अगली कार्यशाला शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सलैया में में करने जा रही है।

अम्बेडकर जयंती पर साईबाबा नगर में हुए अनेक कार्यक्रम

भोपाल सांध्यप्रकाश। डॉ. बाबासाहब अम्बेडकर की जयंती पर साईबाबा नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में आयोजित सभी कार्यक्रम श्रद्धा और सम्मान के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। इन सभी कार्यक्रमों का संयोजन आयोजक दीपक जाधव के नेतृत्व में किया गया, जिनकी सक्रिय भूमिका पूरे दिन स्पष्ट रूप से दिखाई दी। प्रातः 10 बजे डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई। प्रतिमा स्थल, बाउंड्री साईबाबा नगर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने उपस्थित होकर बाबा साहब को नमन किया। माल्यार्पण कार्यक्रम में भी आयोजक दीपक जाधव विशेष रूप से सक्रिय रहे। इसके बाद दोपहर 2 बजे 1250 शासकीय अस्पताल में मरीजों को फल वितरण किया गया। सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ दीपक जाधव भी उपस्थित रहे और मरीजों को फल वितरित कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। शाम 7 बजे साईबाबा नगर से पी.सी. नगर तक भव्य केंडल मार्च निकाला गया। यह मार्च डॉ. अम्बेडकर के विचारों के प्रति प्रतिबद्धता और सामाजिक एकता का संदेश देता हुआ आगे बढ़ा। इस विशाल केंडल मार्च के सफल संचालन में भी दीपक जाधव की भूमिका केंद्रीय रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री मा. श्री पी.सी. शर्मा तथा पूर्व उपाध्यक्ष म.प्र. कांग्रेस कमेटी मा. श्री सैय्यद साजिद अली साहब शामिल हुए। दोनों ने डॉ. अम्बेडकर के महान योगदान को स्मरण करते हुए समाज को उनके आदर्शों पर चलने का संदेश दिया।पूरे कार्यक्रम का सफल, अनुशासित और प्रभावी आयोजन दीपक जाधव द्वारा किया गया, जिसे स्थानीय नागरिकों ने अत्यंत सराहा।

10वीं शताब्दी की धरोहर गौरी कामदा की स्टोन डस्ट कास्टिंग का सांस्कृतिक पुनर्जीवन

गोहर महल में 8 से 10 दिसंबर तक हस्त शिल्प हैकेथॉन में शामिल होगी प्रविष्टि

भोपाल सांध्यप्रकाश। रफतांड रीजन स्टार्टअप नर्मदापुरम द्वारा 10वीं शताब्दी की दुर्लभ ऐतिहासिक मूर्ति गौरी कामदा की स्टोन डस्ट कास्टिंग के माध्यम से भारतीय धार्मिक और शिल्प विरासत को पुनर्जीवित करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास किया गया है। यह कास्टिंग केवल एक प्रतिकृति नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक स्मृति का पुनर्संस्कार है। गोहर महल में 8 से 10 दिसंबर तक हस्त शिल्प हैकेथॉन में यह प्रविष्टि शामिल होगी। यह कलाकृति धार्मिक आस्था, पुरातात्त्विक महत्व और समकालीन डिज़ाइन का अद्भुत संगम प्रस्तुत करती है। बीजावाड़ा क्षेत्र जिला देवास की मूल 10वीं शताब्दी की प्रतिमा से प्रेरित यह 15 × 6 इंच आकार की कास्टिंग उस कालखंड की सौंदर्य चेतना, मूर्तिकला परंपरा और आध्यात्मिक भावनाओं को आज के समय में पुनः प्रासंगिक बनाती है। इस पहल का उद्देश्य केवल एक ऐतिहासिक कला रूप को संरक्षित करना ही नहीं, बल्कि उसे समकालीन सांस्कृतिक, संग्रहणीय और डिज़ाइन स्पेस में स्थापित करना भी है। यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों को भारत की मूर्तिकला परंपरा से जोड़ने की दिशा में एक सशक्त कदम है। गौरी कामदा की यह पुनर्रचना उस दृश्य भाषा को पुनर्जीवित करती है जो समय के साथ विस्मृत हो चुकी थी। यह कलाकृति न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि शिल्प कौशल, शोध और समर्पण की भी सजीव मिसाल है। संचालनालय हस्तशिल्प एवं हाथकरघा के स्टार्ट अप प्रतियोगिता आयोजन, सांस्कृतिक नवाचार भारतीय हस्तशिल्प, विरासत संरक्षण और रचनात्मक उद्योगों के लिए एक प्रेरणादायी मॉडल के रूप में सामने आया है। राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह 8-14 नवंबर 2025 के एक भाग के रूप में और माय हैंडीक्राफ्ट माय प्राउड तथा माय प्रोडक्ट माय प्राउड के समन्वय में, कोलार

डायनेमिक्स स्टार्टअप ने मध्यप्रदेश के कारीगरों के साथ मिलकर एक विशेष ब्रास म्यूज़िशियन सेट तैयार किया है। यह चार टुकड़ों वाली पीतल की कलाकृति है जिसकी चौड़ाई 20 इंच और लंबाई 6 इंच है। शहनाई और तबले पर प्रस्तुति देते दो पुरुष और दो महिला कलाकारों को दर्शाते हुए, यह कृति ग्वालियर घराने की समृद्ध संगीत विरासत का सार प्रस्तुत करती है। इस सांस्कृतिक धरोहर को कला, हस्तशिल्प और शास्त्रीय संगीत के वैश्विक प्रशंसकों तक पहुँचाने में गर्व महसूस करते हैं।

क्रूज पर माल सप्लाई में 80 लाख का घोटालाइ

भोपाल, सांध्यप्रकाश

राजधानी स्थित बडे में संचालित हो रहे क्रूज पर माल सप्लाई में लाखों को घोटाला उजागर हुआ है। इससे में मध्यप्रदेश पर्यटन विकास निगम के दो अधिकारियों पर प्रकरण दर्ज किया है। मामले की क्राइम ब्रांच जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बड़े तालाब में संचालित हो रहे क्रूज को फ्लोटिंग रेस्टोरेंट के रूप में संचालित करने के लिए माल सप्लाई में 80 लाख 81 हजार रुपए का गबन किया है। पर्यटन विभाग के मुख्य महाप्रबंधक (वित्त) राजेश गुप्ता ने यह फर्जीवाड़ा पकड़ा, इसके बाद भोपाल क्राइम ब्रांच को जांच का जिम्मा सौंपा गया था। क्राइम ब्रांच ने जांच के बाद पर्यटन निगम की इकाई विंड एंड वेव्स रेस्टोरेंट के प्रबंधक अरविंद शर्मा और क्षेत्रीय प्रबंधक अनिल कुरूप के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया है। आरोपियों में माल सप्लाई करने वाली फर्म के संचालक संजय मुखर्जी, उनकी पत्नी देबजानी मुखर्जी और बेटे आदित्य मुखर्जी के खिलाफ जालसाजी, दस्तावेजों की कूटरचना और गबन का प्रकरण दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार इस वर्ष तीन सितंबर को पर्यटन विकास निगम के मुख्य महाप्रबंधक (वित्त) राजेश गुप्ता बोट क्लब पर निरीक्षण करने पहुंचे थे, जहां दोनों आरोपी अधिकारियों ने क्रूज को फ्लोटिंग रेस्टोरेंट बनाने के लिए मंगाए गए सामान का मुआयना कराया। निरीक्षण के दौरान खरीदी गई सामग्री गुणवत्ताहीन और कम संख्या में पाई गई। यह पूरी खरीदी प्रक्रिया डेढ़ माह के दौरान 33 मांगपत्रों की नोटशीट के जरिए की गई थी। मुख्य महाप्रबंधक राजेश गुप्ता ने 15 जुलाई से 31 अगस्त तक के बीच हुई खरीदी को लेकर बनी नस्ती का परीक्षण करने पर पाया कि 80 लाख 81 हजार रुपए की खरीददारी की गई, जिसमें 48 लाख रुपए की सप्लाई बाधित हुई है। इसकी तस्दीक के लिए विंड एंड वेव्स रेस्टोरेंट में जाकर भौतिक परीक्षण भी किया गया। पर्यटन निगम ने अभी केवल एक नस्ती की जांच की है। बाकी 32 बिलों की जांच क्राइम ब्रांच की तरफ से की जाएगी। मुख्य महाप्रबंधक वित्त के निरीक्षण के बाद गबन संबंधी जांच के लिए कमेटी का गठन किया गया था। जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में भी करीब 81 लाख रुपए के गबन का मामला उजागर किया। इसके बाद रिपोर्ट नवंबर के अंतिम सप्ताह में भोपाल क्राइम ब्रांच को भेजी गई।

सांध्यप्रकाश विशेष

स्वबन्धु सेवा का संकल्प

अहमदाबाद के मदारी (साँप पकड़ने वाले) समाज की खबर ,नवंबर 2025 के स्थूली भद्र संदेश ने अद्भुत उदाहरण तौर पर पेश किया। उनके समाज का एक रुग्ण (बीमार) सदस्य अस्पताल में भर्ती था, जहाँ प्रतिदिन ?8,000 से ?10,000 तक का खर्च आ रहा था। परिवार आर्थिक रूप से असमर्थ था, पर समाज ने उसे अकेला नहीं छोड़ा।

मदारी समाज के लगभग 800 सदस्यों ने प्रति सदस्य 10 रुपये प्रतिदिन देने का नियम बनाकर उसके इलाज का पूरा भार उठाया एवं मानवीय सहयोग की एक अनोखी मिसाल कायम की। उन्होंने अपने सदस्य को यह अहसास दिलाया कि- 'तुम अकेले नहीं हो... हम सब तुम्हारे साथ हैं।'

परिवार को यह विश्वास दिया कि आर्थिक चिंता की आवश्यकता नहीं- 'समाज आपका संरक्षक है।'

यही है सच्ची सामाजिक शक्ति, यही है सहयोग का वास्तविक स्वरूप।

अब प्रश्न हमारे सामने है-क्या चेन्नई का संपन्न और संगठित जैन समाज, ऐसा कर सकता है?

जैन समाज उनसे कहीं अधिक सक्षम, समृद्ध और सम्पन्न हैं। क्या अपने स्वबन्धुओं, स्वज्जनों, और अपने जरूरतमन्द भाइयों के लिए यह कदम उठा सकते हैं ?

क्या समाज एक ऐसा मजबूत संगठन बना सकता हैं ?जहाँ हर सदस्य हर वर्ष ?10,000, या अपनी श्रद्धा अनुसार ?1 से लेकर जितनी भी सामर्थ्य हो, सहयोग राशि दे। और वही संस्था समाज के किसी भी रुग्ण, पीड़ित, जरूरतमन्द भाई की- सेवा, सहायता और संरक्षण करना अपना कर्तव्य माने ।

हमारे समाज में भामाशाहों की कोई कमी नहीं, बस एक जुट सोच की आवश्यकता है। अगर छोटे-से छोटा समाज अपने बन्धुओं को सहारा देने के लिए खड़ा हो सकता है, तो हम क्यों नहीं? जब अन्य समाज अपनी सीमित क्षमता में भी अपने सदस्यों के लिए दीवार बनकर खड़े हैं, तो समर्थ जैन समाज, अपने स्वबन्धुओं के लिए आधारशिला क्यों न बनें?

यह सेवा नहीं, यह तो हमारा धर्म है।

यह सहयोग नहीं, यह तो हमारी परम्परा है। और यह मिशन नहीं, यह तो हमारा जीवन मूल्य है।

हमारे साधु-सन्त समाज को मार्ग दिखाने वाले दीपक हैं। आपसे करबद्ध प्रार्थना है कि समाज में यह संदेश पहुँचाएं-कि सेवा सबसे बड़ा धर्म है।और स्वबन्धु के साथ जरूरत के समय खड़ा होना-यही जैन संस्कृति की सर्वोच्च तपस्या है।

आओ संकल्प लें -जैन समाज का कोई भी भाई भूखा व परेशान न सोए,और कठिन समय में उसे लगे कि- 'मेरे साथ मेरा अपना समाज खड़ा है।' यही हमारा धर्म, यही हमारा कर्तव्य,और यही हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए संदेश होगा।

सुगाल चन्द जैन, चेन्नई

सीएम मोहन यादव की बड़ी कार्रवाई

साढ़े 7 लाख रुपये महीना रिश्वत मांगने के आरोप में महिला अधिकारी ससपेंड

भोपाल सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देवास जिले की प्रभारी सहायक आबकारी आयुक्त मंदाकिनी दीक्षित को निलंबित कर दिया है। मंदाकिनी दीक्षित पर आरोप है कि उन्होंने एक शराब ठेकेदार से हर महीने 7.50 लाख रुपये रिश्वत की मांग की थी। शराब ठेकेदार ने अपनी आत्महत्या से पहले एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें सहायक आबकारी आयुक्त पर रिश्वतखोरी के आरोप लगाए गए थे। यह वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। सोशल मीडिया पोस्ट में सीएम ने जताई गंभीरतावीडियो के वायरल होने के बाद मामला मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तक पहुँचा, जिन्होंने तुरंत कार्रवाई करते हुए देवास की प्रभारी सहायक आबकारी आयुक्त मंदाकिनी दीक्षित को निलंबित करने के निर्देश दिए। सीएम ने इस संबंध में अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि, 'देवास जिले में एक मदिरा ठेकेदार द्वारा आत्महत्या से पहले बनाए गए वायरल वीडियो को संज्ञान में लेते हुए, प्रभारी सहायक आबकारी आयुक्त को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। उनके खिलाफ जांच भी जारी है। यह मामला प्रथम दृष्ट्या अत्यंत गंभीर श्रेणी का है। '

भोपाल सांध्यप्रकाश। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल एवं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह की सौजन्य भेंट हुई।

भोपाल सांध्यप्रकाश। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ग्वालियर में प्रदेश सरकार में मंत्री प्रद्युम्न तोमर के यहां आयोजित विवाह कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश सायबर पुलिस भोपाल को एक्सीलेंस अवॉर्ड मिलने पर दी बधाई

भोपाल सांध्यप्रकाश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डीसीसीआई एक्सीलेंस अवार्ड्स-2025 में एक्सीलेंस इन कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफ लॉ एनफोर्समेंट एजेंसीज़ श्रेणी में सम्मानित होने पर मध्यप्रदेश पुलिस (स्टेट सायबर भोपाल) को शुभकामनाएँ और बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि यह सम्मान मध्यप्रदेश पुलिस की लगन, दक्षता और सतत आधुनिकीकरण की ओर अग्रसर होने के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सायबर सुरक्षा वर्तमान डिजिटल युग की सबसे बड़ी आवश्यकता है। स्टेट सायबर मुख्यालय ने अपने सशक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों, तकनीकी क्षमताओं के विकास और आधुनिक सायबर इंफ्रास्ट्रक्चर से कानून प्रवर्तन एजेंसियों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार कानून-व्यवस्था और साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। स्टेट सायबर मुख्यालय द्वारा की जा रही पहल पूरे राज्य के लिए गौरव का विषय है। यह अवॉर्ड प्रमाण है कि राज्य पुलिस तकनीकी नवाचार, क्षमता निर्माण और डिजिटल सुरक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय मानकों को नई दिशा दे रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भविष्य में भी इसी ऊर्जा और समर्पण के साथ कार्य करने के लिए टीम को शुभकामनाएँ दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सायबर सुरक्षा के क्षेत्र में अत्याधुनिक संसाधनों, प्रशिक्षण और टेक्नोलॉजी के आधुनिकीकरण को निरंतर बढ़ावा देती रहेगी।

मध्यप्रदेश राजभवन अब हुआ 'लोक भवन'

भोपाल सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश में राज्यपाल के आधिकारिक निवास और कार्यालय का नाम अब बदल गया है। शनिवार सुबह भोपाल स्थित राजभवन के मुख्य द्वार पर लगी नेम-प्लेट को बदलकर नया साइनबोर्ड लगाया गया, जिसमें अब 'राज भवन' की जगह 'लोक भवन' लिखा है। राज्य सरकार ने कुछ दिन पहले ही इस संबंध में आदेश जारी किए थे। आदेश के अनुसार, मध्यप्रदेश राज्यपाल भवन का आधिकारिक नाम अब 'लोक भवन, मध्यप्रदेश' होगा। शनिवार को सुबह औपचारिक रूप से पुरानी पट्टीका हटाई गई और नई पट्टीका लगाई गई। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, नाम परिवर्तन का उद्देश्य राज्यपाल संस्था को जनता के और करीब लाना तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना बताया जा रहा है। अब राजभवन के सभी आधिकारिक पत्र, विजिटिंग कार्ड, वेबसाइट और दस्तावेजों में भी 'लोक भवन' ही लिखा जाएगा। हालांकि विपक्षी दलों ने इसे महज नाम बदलने की राजनीति करार दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, 'जनता के असली मुद्दे छोड़कर सिर्फ़ नेम-प्लेट बदलने से कुछ नहीं होगा। पहले जनता की समस्याओं का समाधान करें, फिर नाम बदलें। फिलहाल भोपाल का ऐतिहासिक राजभवन अब आधिकारिक रूप से 'लोक भवन' कहलाएगा।

योग गुरु महेश अग्रवाल

बच्चों का संकल्प ही उनका भविष्य गढ़ता है - योग उन्हें सफलता में बदलने की क्षमता देता है

भोपाल सांध्यप्रकाश। सरदार वल्लभभाई पटेल पॉलिटेक्निक कॉलेज, भोपाल में खेल विभाग द्वारा आयोजित विशेष 5 दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिवस पर, श्रीमती के.के. एक्का, सहायक निदेशक, शारीरिक शिक्षा के मार्गदर्शन में योग गुरु महेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों को योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं तनाव प्रबंधन विषय पर प्रेरक व्याख्यान तथा प्रायोगिक अभ्यास कराए। सूर्य नमस्कार और चन्द्र नमस्कार ने उनमें संतुलन, शक्ति और शांत मन की अनमोल अनुभूति कराई। गोमुखासन और भूमि पर किए गए आसनों ने उनके शरीर को लचीला, स्वस्थ और सक्रिय बनाने में गहरा प्रभाव डाला। पीठ के बल किए गए आसनों ने रीढ़, नसों और मानसिक शांति को मजबूती प्रदान की। इस प्रशिक्षण ने बच्चों को यह समझाया कि नियमित योग अभ्यास ही शिक्षा, जीवन और स्वास्थ्य तीनों का आधार है। समूह अभ्यास के दौरान जो प्रसन्नता और उत्साह दिखाई दिया, वह उनकी सकारात्मक मानसिकता का संकेत है। बच्चों ने प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मविश्वास, अनुशासन और धैर्य का वास्तविक अनुभव किया। मुस्कान से भरे चेहरे यह बताते हैं कि योग ने उनके भीतर तनाव से मुक्त, उज्ज्वल और शांत मन विकसित किया है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने यह संकल्प लिया कि वे प्रतिदिन योग करके अपने जीवन में संतुलन बनाए रखेंगे। बच्चों का यह संकल्प उन्हें न केवल पढ़ाई में, बल्कि चरित्र और व्यक्तित्व निर्माण में भी आगे बढ़ाएगा। नियमित योग से उनका भविष्य अधिक सक्षम, सजग और सेवा-भाव से परिपूर्ण होगा। यह संकल्प उन्हें समाज, देश और प्रकृति के प्रति जिम्मेदार, जागरूक और प्रेरक नागरिक बनने की दिशा में आगे बढ़ाता है।

इफको टोक्यो जनरल इन्शुरन्स कंपनी के 25 वर्ष पूर्ण होने पर भोपाल मैं वॉकेथन का आयोजन

भोपाल सांध्यप्रकाश। भारत की अग्रणी बीमा कंपनी,इफको टोक्यो जनरल इन्शुरन्स कंपनी के 25 वर्ष पूर्ण होने पर भोपाल मैं वॉकेथन का आयोजन मंत्री विश्वास सारंग(सहकारिता,खेल एवं युवा कल्याण) के आतिथ्य मैं किया गया जिसमे लगभग 500 लोगो की सहभागिता थी.

इफको टोक्यो राज्य प्रमुख (मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़)श्री शुभम जैन और क्लेम प्रमुख श्री नवनीत सिंह बाबा ने बताया की वाल्कथॉन का प्रमुख उद्देश्य मध्य प्रदेश राज्य मैं बीमा एवं ट्रैफिक जागरूकता हैं,इसी उपलक्ष्य मै भारत स्काउट गाइड के बच्चों के साथ शहर के प्रमुख चौराहो पर हेलमेट नहीं पहनने वाले वाहन चालकों को गुलाब भेंट पर जागरूक किया गया. आज इस अवसर पर दैनिक प्रदेश सत्ता भोपाल ब्यूरो चीफ पत्रकार संजय वर्मा और बीएनबी चैनल डायरेक्टर ओवैस उद्दीन का मोमेंटो देकर सम्मान भी किया गया

साथ ही राज्य प्रमुख श्री शुभम जैन ने बताया की मध्य प्रदेश राज्य के लिए इफको टोक्यो जनरल इन्शुरन्स कंपनी को भारत सरकार के विजन विकसित भारत अंतर्गत लीड बीमा कंपनी बनाया गया है और मध्य प्रदेश सरकार द्वारा गठित राज्य बीमा समिति मैं सचिव के तौर पर नामित किया गया है, आगे भी निरंतर मध्य प्रदेश के सभी नागरिकों के लिए बीमा जागरूकता अभियान स्टेट इन्शुरन्स प्लान के अंतर्गत जारी रहेंगे ! कार्यक्रम का कुशल संचालन श्री गोपाल रहेजा,शाखा प्रमुख भोपाल के द्वारा सफलता पूर्वक किया गया !

रन भोपाल रन

भोपाल। राजधानी में रन भोपाल रन-2025 का आयोजन टीटी नगर स्टेडियम से सुबह 5 बजे से शुरू हुआ। तीन श्रेणियों में मैराथन दौड़ हुई, जिसमें पांच से छह हजार वॉलेंटियर शामिल हुए।

लोधी समाज ने किया 150 से अधिक प्रतिभाओं का सम्मान

दतिया, सांध्य प्रकाश। जिला दतिया के बसई में अखिल भारतीय लोधा, लोधी लोध अधिकारी कर्मचारी संघ का प्रतिभा सम्मान एवं मोटिवेशनल कार्यक्रम लोधी महासभा के सहयोग से संपन्न हुआ।

जिसमें 150 से अधिक प्रतिभाओं का सम्मान किया गया एवं नवनियुक्त अधिकारी कर्मचारीयों का सम्मान एवं समाज सेवानिवृत अधिकारी कर्मचारियों का भी सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोधी महासभा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री श्री जालम सिंह पटेल एवं विशेष उपस्थिति पूर्व मंत्री श्री नरोत्तम मिश्रा जी की रही, साथ ही पूर्व मंत्री भैया साहब लोधी के साथ आसपास के जिलों से एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

सामाजिक होने का अर्थ

धूप से मुरझाये पौधे के लिए थोड़ा सा जल जीवनदायी बन जाता है एवं नैराश्य की आँच से संतप्त व्यक्ति के लिए थोड़ा सा सहारा प्राणदायी बन जाता है। मनुष्य को उस ईश्वर ने एक सामाजिक प्राणी बनाया है। समाज में घट रही प्रत्येक अच्छी-बुरी घटना के प्रति संवेदनशील रहना ही हमें और अधिक सामाजिक बनाता है। अपने साथ-साथ समाज में रह रहे अन्य लोगों की वेदनाओं की चुभन हमारे हृदय में भी होनी ही चाहिए। सामाजिक प्राणी होने का अर्थ केवल इतना नहीं कि मनुष्य समाज के बीच में रहता है अपितु यह है कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को साथ लेकर चलने की जिम्मेदारी भी हमारी होनी चाहिए। जो लोग निराशा में, विषाद में अथवा तो अभाव में अपना जीवन जी रहे हैं अपनी सामर्थ्यानुसार उनसे जुड़े रहना ही हमें और अधिक मानवीय बनाकर एक स्वस्थ समाज के नवनिर्माण में अपना योगदान देता है।

हवाई सपनों की उड़ानें खतरों को कब तक बढ़ाएंगी?

आलोक मेहता

भारतीय विमानन उद्योग पिछले तीन दशकों से ÷उड़ने की महत्वाकांक्षा और गिरने की मजबूरी÷ – दोनों का प्रतीक रहा है। 1990 के दशक में आर्थिक उदारीकरण के बाद निजी एयरलाइंस का दौर शुरू हुआ। लोगों ने पहली बार एयर-ट्रैवल को राजसी विलासिता से निकालकर आम मध्यम वर्ग की पहुँच में आते देखा।लेकिन यह कहानी उतनी सरल नहीं थी।जहाँ एक ओर इंडियन एयरलाइंस और बाद में एयर इंडिया जैसी सरकारी कंपनियाँ भ्रष्टाचार, खराब प्रबंधन और राजनीतिक दख़ल से लगातार घाटे में डूबी रहीं, वहीं निजी क्षेत्र की किंगफिशर, जेट एयरवेज, सहारा एयरलाइंस और अन्य ब्रांड शुरुआती चमक-दमक के बाद दीवालियेपन, कर्ज़, अनियमितताओं और जाँचों में फँसते चले गए।आज, जब इंडिगो–जो कभी भारत का सबसे मज़बूत और कुशल एयरलाइन मॉडल माना जाता था–लागत दबाव, परिचालन चुनौतियों और बाजार की उथल-पुथल से जूझ रहा है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर भारतीय विमानन में गड़बड़ी कहाँ है? और इस गड़बड़ी का ज़िम्मेदार कौन है–कंपनी मालिक, रेगुलेटर, नीति-निर्माता या सम्पूर्ण तंत्र?

इंडिगो को लंबे समय तक भारतीय विमानन का ÷मॉडल केस स्टडी÷ कहा गया। 2006 में शुरू हुई इस एयरलाइन के संस्थापक – राहुल भाटिया और राकेश गंगवाल – का कोई बड़ा विमानन पृष्ठभूमि नहीं था। यही कारण था कि उद्योग में उन्हें ÷नये खिलाड़ी÷ माना गया, लेकिन उनकी रणनीति बेहद आक्रामक और पेशेवर थी। एक ही मॉडल के विमान (320/321), समय पर उड़ान, कम किराए और तेज़ी से बेड़ा बढ़ाने की रणनीतियों ने इंडिगो को 50त्र से अधिक घरेलू मार्केट शेयर तक पहुँचा दिया। लेकिन आज इंडिगो नई चुनौतियों से जूझ रहा है 7 बढ़ती परिचालन लागत ङ्क ईंधन, हवाईअड्डा शुल्क और रखरखाव लागत में भारी वृद्धि, पायलट और केबिन कर्मचारियों की की कमी, ड्यूटी के दबाव की स्थिति, ह?ताल जैसी तकनीकी समस्याएँ, इंजन विवाद के कारण सैकड़ों उड़ानें रद्द, विमान ग्राउंडेड।अंतरराष्ट्रीय विस्तार में अनिश्चितता।फिर प्रतिस्पर्धा का नया दौर – टाटा समूह की एयर इंडिया और उसकी साथी सिंगापुर एयरलाइन्स, आकासा जैसी एयरलाइंस चुनौती दे रही हैं। वैसे एयर इण्डिया भी पूरी तरह सफल नहीं हो रही है और चुनौतियां ब?ती जा रही है 7इंडिगो को अभी ÷वित्तीय पतन÷ की स्थिति में नहीं कहा जा सकता, लेकिन लाभ में गिरावट और ऑपरेशनल गड़बड़ियाँ साफ संकेत देती हैं कि भारत के सबसे मजबूत ब्रांड को भी संकट से गुज़रने का खतरा है।

सरकारी एयरलाइंस के रूप में विमान सेवाओं का घाटे का सिलसिला कभी रुका ही नहीं 7असफलताओं के कई कारण दशकों से सामने आते रहे, जैसे राजनीतिक दख़ल,

ख़रीदङ्कफ़रोख़्त में ग?ब?ी, महँगे विमान सौदे, अक्षम प्रबंधन, कर्मचारियों की अधिक संख्या, भ्रष्टाचार के आरोप और विदेशी रूट्स का दबाव 7एयर इंडिया की हालत इतनी ख़राब थी कि उसे चलाने के लिए हर साल हजारों करोड़ रुपये की सरकारी सब्सिडी और सहायता देनी पड़ती थी। अंततः 2022 में इसे टाटा समूह को बेचकर सरकार ने अपने कंधे हल्के किए।

निजी एयरलाइनों ने शुरुआत में चमचमाते विज्ञापनों, मॉडल-आधारित प्रचार और ÷लक्ज़री÷ की छवि से यात्रियों को लुभाया। लेकिन कई कंपनियों का पतन अव्यवस्थित बिज़नेस मॉडल, अनियंत्रित विस्तार, कर्ज़ और नियामकीय ढिलाई के कारण तेज़ हो गया 7 किंगफिशर को कभी भारत की ÷फाइव-स्टार एयरलाइन÷ कहा जाता था।अत्यधिक खर्च, महँगा ब्रांडिंग मॉडल और गलत अधिग्रहण (द्बह्लष्ठद्गष्ड्डठ्ठ) ने किंगफिशर को कर्ज़ के पहाड़ में धकेल दिया। करीब 7000+ करोड़ बैंक कर्ज़, टैक्स बकाया, कर्मचारियों के वेतन लंबि और कई जाँच और कानूनी विवाद से हालत ?राब हुई 7विजय माल्या पर धन शोधन और बैंक धोखाधड़ी के मामले दर्ज हुए, जिसके बाद वह देश छोड़कर चला गया और भारत के लिए ÷वित्तीय भगोड़े÷ का प्रतीक बन गए।

इसी तरह सहारा एयरलाइंस की विमान सेवाएँ 90 के दशक में काफी लोकप्रिय हुईं, लेकिन धीरे-धीरे वित्तीय विवाद और नियामकीय दबाव बढ़ते गए। बाद में यह कंपनी जेट एयरवेज को बेच दी गई। सहारा समूह के खिलाफ बड़े पैमाने पर सेबी के केस चले, और सुब्रत रॉय को लंबे समय तक जेल का सामना करना पड़ा। जेट एयरवेज कभी भारत की सबसे प्रतिष्ठित निजी एयरलाइन थी लेकिन 2015ङ्क2018 के बीच लागत बढ़ने, खतरनाक कर्ज़ और प्रबंधन विवादों ने इसे धराशायी कर दिया। मालिक नरेश गोयल परवित्तीय अनियमितताओं, विदेशी फंडिंग संबंधी जांच और मनी लॉन्ड्रिंग आरोप के मामले चले और वे जेल तक पहुँचे। जेट के बंद होने से लाखों यात्रियों, हजारों कर्मचारियों और सप्लाई-चेन कंपनियों को भारी नुकसान हुआ।

देश में हवाई सेवाओं को लेकर भारतीय विमानन नियामक और नागरिक उड्डयन मंत्रालय पर हमेशा सवाल उठते रहे हैं 7 समय पर हस्तक्षेप की कमी रही 7 कई एयरलाइनों के वित्तीय संकेत वर्षों तक खराब रहे, लेकिन नियामक ने देर से कदम उठाए।सर्दियों में कोहरा या कम विज़िबिलिटी में उड़ान के लिए पायलटों को विशेष प्रशिक्षण चाहिए होता है। लेकिन यह प्रशिक्षण महँगा पड़ता है, इसलिए कई निजी एयरलाइन्स पर्याप्त प्रशिक्षण नहीं करातीं।नियामक कई बार सलाह जारी करता रहा, परंतु कठोर कार्रवाई कभी नहीं की गई। सुरक्षा निरीक्षण सिर्फ ÷औपचारिकता÷ के रूप में किए जाते रहे। यही नहीं दबाव में एयरलाइन लाइसेंस देने में जल्दबाज़ी की गई 7 व्यावसायिक मॉडल कमजोर होने के बावजूद कई कंपनियों को उड़ान की अनुमति दे दी गई।इन कमज़ोरियों ने भारतीय विमानन को ÷उड़ान के पहले ही ख़तरे÷ में झोंक दिया।, एक तथ्य यह भी है कि भारत की एयरलाइंस विदेशी लीज़िंग कंपनियों और डॉलर आधारित लागत पर अत्यधिक निर्भर हैं, जिससे वित्तीय जोखिम बढ़ता है। लेकिन जब भी कोई एयरलाइन बंद होती है यात्रियों का पैसा फँसताहै टिकट रद्द होते हैं किराए अचानक बढ़ जाते हैं कर्मचारियों की नौकरियाँ जाती हैंकिंगफिशर, जेट और सहारा के बंद होने से जनता ने भारी नुकसान झेला। और यही चक्र दोहराया जा रहा है, बस नाम बदलते रहते हैं।

भारत के विमानन संकट की जड़ें, लागत बहुत अधिक, किराया बहुत कम, कंपनियाँ लंबे समय तक सस्ते टिकट देकर बाजार कब्जाने की कोशिश करती हैं, लेकिन नुकसान बढ़ता जाता है। डॉलर में लागत, रुपये में आय, ईंधन, लीज़िंग, इंजन, मेंटेनेंस – सब का भुगतान डॉलर में लेकिन कमाई रुपये में होती है 7 डी जी सी ए की निगरानी मजबूत नहीं रही है। सरकारी एयरलाइनों में तो यह स्थायी समस्या रही है।

टाटा समूह के हाथों में एयर इंडिया का पुनर्जीवन एक उम्मीद जगाता है 7इंडिगो अभी भी एक बड़ी और महत्वपूर्ण एयरलाइन है, लेकिन उसे अपनी रणनीति नए दौर के अनुसार बदलनी होगी। आकासा जैसी नई एयरलाइंस सादगी और दक्षता पर जोर दे रही हैं। लेकिन जब तक डी जी सी ए वास्तविक निगरानी नहीं करेगा,पायलट प्रशिक्षण में सुधार नहीं होगा, वित्तीय पारदर्शिता नहीं बढ़ेगी, राजनीति और विमानन का रिश्ता साफ नहीं होगा, कंपनियों के दिवालिया होने पर जनता को सुरक्षा नहीं मिलेगी, तब तक भारत विमानन उद्योग उछाल और गिरावट के इस चक्र से मुक्त नहीं हो पाएगा। विमानन सिर्फ उड़ान भरना नहीं है; यह उस भरोसे का प्रश्न है जिसे यात्री हर बार अपनी जान सौंपकर बनाते हैं। यदि यह भरोसा बार-बार टूटा, तो एयरलाइनें नहीं, बल्कि पूरा देश कीमत चुकाएगा।

कैंसर मामलों में उछाल: भारत दुनिया में तीसरे नंबर पर, जानें किस राज्य में सबसे ज्यादा केस

भारत में तेजी से कैंसर बढ़ रहा है. कैंसर के मामले में विश्व में भारत का तीसरा स्थान है. लोकसभा में सरकार ने पेश किए चिंताजनक आंकड़े पेश किए हैं. अंतरराष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान एजेंसी ग्लोबल कैंसर ऑब्ज़र्वेटरी (द्घद्यश्रड्ढशष्ड्डठ्ठ) के मुताबिक, भारत में कैंसर के मामलों की अनुमानित संख्या 14,13,316 है (98.5 प्रति 1,00,000 की दर), जो चीन (48,24,703 मामले, 201.6 प्रति 1,00,000) और संयुक्त राज्य अमेरिका (23,80,189 मामले, 367 प्रति 1,00,000) के बाद दुनिया में तीसरी सबसे अधिक है 7

भारत में कैंसर के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं. सरकार ने संसद में डेटा पेश किया है उसके मुताबिक, 2020 में देश में अनुमानित 13.92 लाख कैंसर के मामले थे, जो 2024 में बढ़कर 15.33 लाख हो गए हैं. यानी सिर्फ़ पांच वर्षों में ही मामलों में दस प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई 7

राज्यवार विश्लेषण में यह भी सामने आया है कि छोटे केंद्र शासित प्रदेशों में प्रतिशत वृद्धि सबसे तेज़ है, जबकि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और बिहार जैसे बड़े राज्यों में मरीजों की कुल संख्या ज़्यादा है 7

कहां बढ़े सबसे ज्यादा मामले?

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दमन में कैंसर मामलों में 39.51त्र की बढ़त हुई. इसके अलावा दादरा एवं नगर हवेली (30.09त्र), सिक्किम (26.06त्र), लक्षद्वीप (18.52त्र) और मणिपुर (18.48त्र) में भी तेज़ उछाल देखा गया. दिल्ली, हरियाणा, झारखंड, मध्य प्रदेश और कर्नाटक में भी 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई. रिपोर्ट के अनुसार, तंबाकू सेवन, प्रदूषण और जीवनशैली से जुड़े कारक इस बढ़ोतरी में अहम भूमिका निभा रहे हैं 7

बड़ी आबादी वाले राज्यों में भारी बोझ

जनसंख्या के लिहाज़ से सबसे ज़्यादा मरीज उत्तर प्रदेश (2.21 लाख), महाराष्ट्र (1.27 लाख), पश्चिम बंगाल (1.18 लाख) और बिहार (1.15 लाख) में दर्ज किए गए. इन राज्यों में प्रतिशत वृद्धि कम दिख सकती है, लेकिन कुल संख्या बहुत बड़ी है 7

साल-दर-साल बढ़ोतरी

2020 से 2024 तक भारत में कैंसर मामलों का साल-दर-साल बढ़ना इस प्रकार रहा-ज़2020-13,92,179 ज़2021-14,26,447 ज़ 2022- 14,61,427 ज़ 2023- 14,96,972 ज़ 2024- 15,33,055 हर साल लगभग लाखों नए मरीज जुड़ रहे हैं 7

कैंसर मामलों में वृद्धि के कारण

द्बष्टरूक्र के अनुसार, मामलों में बढ़ोतरी के पीछे कई कारण हैं. जीवनशैली में बदलाव, तंबाकू और शराब का बढ़ता सेवन, बुजुर्ग आबादी में वृद्धि और स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ने से अधिक रिपोर्टिंग हुई है. शहरी क्षेत्रों में प्रदूषण भी बड़ी चुनौती बन गया है 7

भारत में कैंसर तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है. इसके रोकथाम, स्क्रीनिंग और इलाज के लिए व्यापक रणनीति की जरूरत है. आने वाले सालों में कैंसर के मामलों में और बढ़ोतरी हो सकती है, इसलिए स्वास्थ्य ढांचे का विस्तार, जीवनशैली सुधार और तंबाकू नियंत्रण पर तत्काल ध्यान देना आवश्यक है 7

मन, चेतना और शक्ति का विज्ञान- सजगता से सृष्टि - निर्माण तक की आध्यात्मिक यात्रा

जब शक्ति विचारों को दिशा देती है, विचार मन को स्थिर करते हैं और मन शरीर को संतुलित करता है - तभी साधना पूर्णता को प्राप्त होती है

महेश अग्रवाल

मनुष्य को सृष्टि की सबसे विलक्षण रचना इसलिए कहा गया है क्योंकि उसके भीतर मन, विचार, चेतना और शक्ति का ऐसा अद्वितीय संयोजन है जो उसे साधारण से असाधारण, सीमित से असीमित और व्यक्तिगत से सार्वभौमिक चेतना की ओर ले जाता है। मन न केवल अनुभव करने वाला साधन है, बल्कि वह वह द्वार भी है जिसके माध्यम से मनुष्य अपने भीतर छिपी दिव्यता तक पहुँच सकता है। भारतीय दर्शन, योग, तंत्र और वेदान्त में मन का स्वरूप अत्यंत सूक्ष्म और व्यापक बताया गया है। आधुनिक मनोविज्ञान भी इस सत्य को स्वीकार करता है कि मनुष्य के अनुभव, संस्कार और धारणाएँ उसकी व्यक्तित्व-रचना का मूल आधार हैं। मन के माध्यम से ही सजगता का विकास होता है, चेतना के स्तर बढ़ते हैं और साधना का पथ प्रशस्त होता है। यह लेख मन की संरचना, विचारों की शक्ति, अचेतन के रहस्य, सजगता के विकास, मन से पदार्थ-निर्माण की क्षमता और योग में मन-प्रशिक्षण की विधियों को एक साथ समेटता है।

यह संपूर्ण लेख मनुष्यता के सबसे बड़े रहस्य - मन और चेतना को समझने की दिशा में एक समग्र यात्रा है।

मन क्या है? चेतना का अदृश्य साधन मन को समझना स्वयं को समझना है। मन शरीर नहीं है, पर शरीर से बिल्कुल अलग भी नहीं। मन विचार नहीं है, पर विचारों के बिना मन की पहचान नहीं। मन भावनाएँ नहीं है, पर भावनाएँ मन के ही तरंग-रूप हैं। योग कहता है - मन चेतना का उपकरण है। यह वही अंतःकरण है जिसके माध्यम से हम देश, काल और पदार्थ का ज्ञान करते हैं। मन केवल सोचने का साधन नहीं, बल्कि वह चेतना का सक्रिय केंद्र है जो 5 तत्त्वों, 5 प्राणों, 5 ज्ञानेन्द्रियों और 5 कर्मेन्द्रियों के समन्वय से कार्य करता है। जब यह समन्वय पूर्ण होता है, तब भीतर चेतना का प्रवाह प्रारम्भ होता है। यही प्रवाह जीवन, अनुभव, ज्ञान, स्मृति और बोध के रूप में प्रकट होता है।

मन के भीतर छिपे संस्कार - चेतना का गुप्त भंडार मनुष्य की चेतना में करोड़ों संस्कार संग्रहित होते हैं - जन्म-जन्मांतर के अनुभव, स्मृतियाँ, भावनाएँ, इच्छाएँ, भय, क्लेश और जीवन की अनगिनत घटनाएँ। ये संस्कार ही मनुष्य के व्यवहार, प्रतिक्रियाओं और व्यक्तित्व के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। ये संस्कार चेतना की गहराइयों में छिपे रहते हैं, पर स्वप्नों, अंतर्दृश्यों, भावनात्मक घटनाओं या योगिक अभ्यासों के माध्यम से सतह पर आ जाते हैं। यदि इन संस्कारों को सही ढंग से प्रकट कर लिया जाए तो -भय, तनाव, रोग, कुंठा, अवसाद- ये सब जड़ से मिट सकते हैं। यही कारण है कि योगनिद्रा को संस्कार-शोधन, मन-परिष्कार और आत्मिक उपचार का सबसे शक्तिशाली साधन माना गया है।

क्या सजगता धीरे-धीरे आती है या अचानक? सजगता दो तरीकों से प्रकट हो सकती है - क्रमशः, धीरे-धीरे, अभ्यास के साथ, अचानक, विस्फोट की तरह - दोनों संभव हैं, पर अचानक होने वाला विस्फोट हर व्यक्ति सहन नहीं कर पाता। इसलिए योग में क्रमिक सजगता को ही श्रेष्ठ माना गया है। सजगता का अर्थ है - अपने विचारों को देखना, अपनी प्रतिक्रियाओं को पहचानना, अहंकार और भावनाओं को समझना, अपने भीतर के साक्षी को जगाना यह वह प्रकाश है जिसके होते हुए मनुष्य स्वयं को और संसार को सही रूप में देख पाता है।

सजगता कैसे क्रियान्वित होती है? चार उपकरण- मन, बुद्धि, चित्त और अहंकार तंत्र और वेदान्त के अनुसार सजगता चार साधनों से संचालित होती है - मन - संकल्प - विकल्प का स्रोत।बुद्धि - तर्क, निर्णय और विवेक का केंद्र। चित्त - स्मृति, चेतना और अनुभव का धाम। अहंकार - मैं - का भाव, अनुभव का कर्ता। ये चारों मिलकर मन का वह क्षेत्र बनाते हैं जिसे चेतन मन कहा जाता है। चेतन, अर्धचेतन और अचेतन के स्तर क्रमशः - मनोमय कोश, विज्ञानमय कोश, आनन्दमय कोश के अनुरूप हैं। आनन्दमय कोश में सजगता नहीं, केवल एकरूपता होती है।यह चेतना का इतना सूक्ष्म क्षेत्र है कि वहाँ मैं भी नहीं रहता। यह अनुभव अत्यंत दुर्लभ और गहन योगिक समाधि से ही संभव है।

अचेतन मन को कैसे जाना जाए? अचेतन को प्रत्यक्ष रूप से जानना असंभव है, परंतु योगिक साधनाएँ मार्ग प्रदर्शित करती हैं - प्रमुख साधनाएँ - ज्योति ध्यान (भ्रूमध्य में प्रकाश पर ध्यान), लययोग, प्राणायाम, योगनिद्रा, एकाग्रता से अंतर्मुखी धारणा जब ज्ञानेन्द्रियाँ अन्तर्मुख होती हैं और मन शांत, तब प्रश्न उठता है - द्रष्टा कौन है? उपनिषद् का उत्तर है - जब मन भी शांत हो जाए, तब साक्षी चेतना की उपस्थिति स्वयं प्रकट होती है। यही अवस्था अचेतन के द्वार खोलती है।

लययोग की समाधि- चेतना का विलय - लययोग में योगी - समय, स्थान, सत्ता सबका अतिक्रमण कर जाता है। उस अवस्था में मैं - तुम - वह कुछ नहीं बचता। केवल एक ज्योति - भ्रूमध्य में - साक्षात रहती है। जब तक वह ज्योति बनी रहती है, योगी सुरक्षित है, और अचेतन के अनुभव जारी रहते हैं। यदि वह ज्योति बुझ जाए तो योगी का पतन या मृत्यु भी संभव है। इसलिए कहा गया - योगी की रक्षा गुरुज्योति करती है।

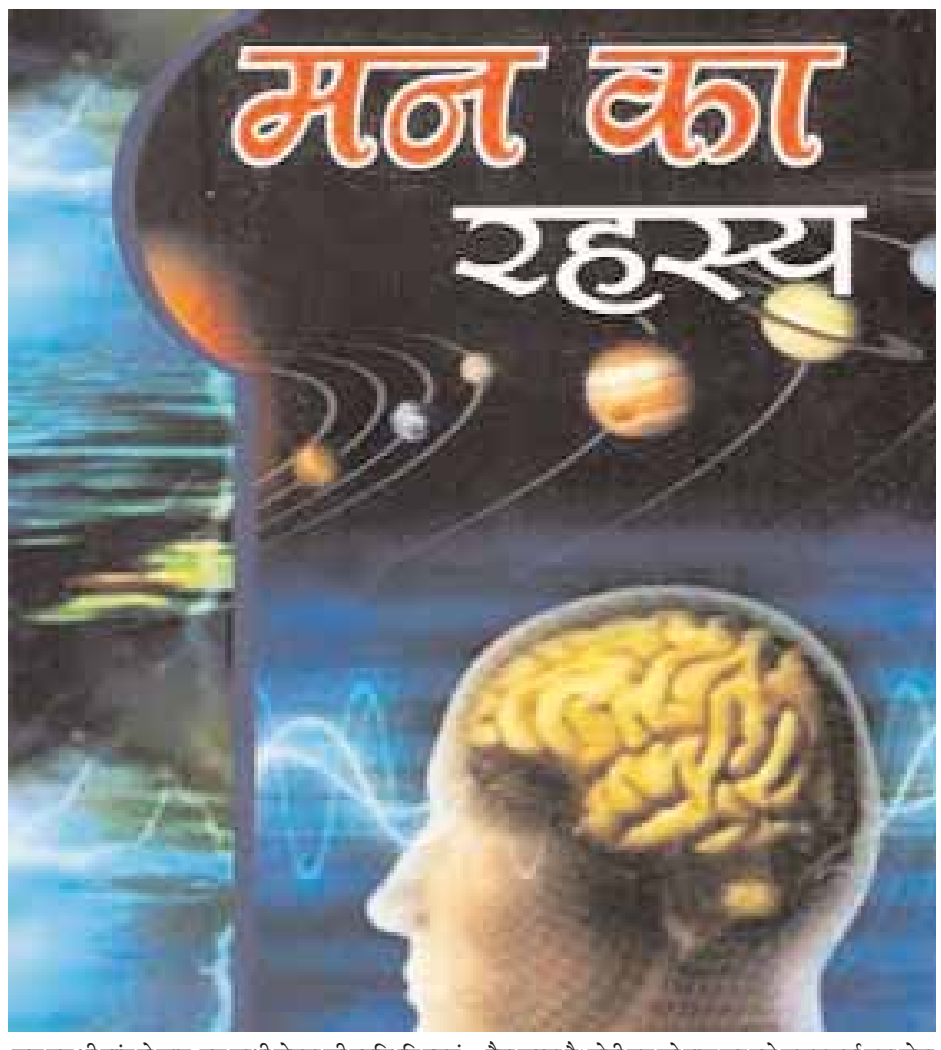

क्या हम जो देखते हैं वह सब हमारे ही मन की अभिव्यक्ति है? हाँ। हर मनुष्य अपनी चेतना को ही संसार पर आरोपित करता है। यदि आप अच्छे हैं, तो संसार आपको अच्छा दिखेगा। यदि आप भयभीत हैं, तो संसार आपको भयावह दिखेगा। यदि आपके भीतर प्रेम है, तो सभी सुन्दर दिखेंगे। यदि भीतर कड़वाहट है, तो हर व्यक्ति आपको कठोर लगेगा। उपनिषद् कहता है - तुम्हें अपनी पत्नी, पति, पुत्र, मित्र प्यारे नहीं लगते - तुम्हें अपनी चेतना में उठने वाला प्रेम प्यारा लगता है। बुद्ध भी कहते हैं - संसार मन में है। सारा ब्रह्माण्ड मन की परियोजना है।जैसे जादूगर तुम्हें अपनी शक्ति से दृश्य दिखाता है, वैसे ही प्रकृति तुम्हारी चेतना की शक्ति को बाहर प्रक्षेपित करती है।

क्या मन पदार्थ का निर्माण कर सकता है? योग कहता है - हाँ, मन की शक्ति इतनी सूक्ष्म और विराट है कि वह पदार्थ का निर्माण कर सकता है। यह बात आधुनिक भौतिक विज्ञान की ऊर्जा - पदार्थ - प्रकाश की पारस्परिक परिवर्तनीयता से भी मेल खाती है। विचार रूपी शक्ति जब अत्यंत एकाग्र हो जाती है, तब वह - तरंग से कण, चेतना से पदार्थ का निर्माण कर सकती है। साधारण व्यक्ति मन को विक्षेप में रखकर समस्या पैदा करता है। योगी मन को शुद्ध कर उसे सृजनकर्ता बना लेता है। मन की विशेषताएँ- बिखरा मन - अस्थिर, शक्तिहीन। एकाग्र मन - शक्तिशाली। स्थिर मन - निर्माता। समाधिस्थ मन - ऊर्जा रूप। यही योग का चमत्कार है।

विचार कैसे पदार्थ में परिवर्तित होते हैं? उदाहरण - आपने बगीचे में एक सुंदर फूल देखा। वह आपको इतना प्रिय लगा कि वह मानसिक रूप से हर जगह आपके साथ रहने लगा। यानी - आपने एक पदार्थ को विचार में बदल दिया।इसके विपरीत - यदि आप किसी भयानक दृश्य को देखें और वह आपकी चेतना पर छा जाए, तो वह विचार आपके मानसिक संसार में वास्तविक वस्तु की तरह मौजूद रहेगा। इसका अर्थ स्पष्ट है - विचार - पदार्थ, पदार्थ - विचार दोनों ही दिशाओं में बदलना संभव है। ध्यान में सुनहरा अण्डा - जब साधक अपनी संपूर्ण मानसिक शक्ति को एक बिंदु - जैसे सुनहरे अण्डे - पर केंद्रित करता है, तब इन्द्रियाँ शांत मन स्थिर विचार निरोध और सारी ऊर्जा एक बिंदु पर एकत्रित हो जाती है। एकाग्रता ही मन को क्रियाशील ऊर्जा बनाती है - जैसे सूर्य की किरणें मैग्नीफाइंग ग्लास से गुजरकर अग्नि उत्पन्न करती हैं।

मन को कैसे प्रशिक्षित किया जाए? जिस प्रकार बच्चे को धीरे-धीरे, क्रमबद्ध तरीके से सिखाया जाता है, उसी प्रकार मन को भी प्रशिक्षण देना पड़ता है। योग का समूचा पाठ्यक्रम - यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि। मन को वैज्ञानिक पद्धति से प्रशिक्षित करने, शुद्ध करने और उन्नत करने का सर्वोत्तम तरीका है।

मन - शरीर - विचार - शक्ति - सूक्ष्मता का क्रम भारतीय दर्शन का अद्भुत सिद्धांत - मन शरीर से सूक्ष्म है, विचार मन से सूक्ष्म हैं और शक्ति विचारों से सूक्ष्म है। इसे बल के रूप में देखें - मन शरीर से अधिक शक्तिशाली, विचार मन से अधिक शक्तिशाली शक्ति विचारों से भी अधिक शक्तिशाली इसे नियंत्रण के रूप में समझें - शक्ति विचारों को नियंत्रित करती है, विचार मन को नियंत्रित करते हैं, मन शरीर को नियंत्रित करता है इसीलिए योग शक्ति से शुरू होकर विचारों को परिष्कृत करता है और अंततः मन को जीतने की शिक्षा देता है।

सजगता, मन और चेतना की संपूर्ण यात्रा मनुष्य की संपूर्ण आध्यात्मिक यात्रा यही है - मन को समझना - मन को प्रशिक्षित करना - विचारों को शुद्ध करना - चेतना को विस्तृत करना - शक्ति को जाग्रत करना यह यात्रा तभी संभव है जब साधक - अपने संस्कारों को समझे सजगता विकसित करे अचेतन को जाने मन को एकाग्र करे विचारों की शक्ति को पहचान ले और अपने भीतर की दिव्यता का साक्षात्कार करे यही मन को विजयी करने का मार्ग है। योग कहता है - मन एव मनुष्याणां कारणं बन्धमोक्षयोः। मन ही बंधन का कारण है, और मन ही मुक्ति का भी।

मन को जानना स्वयं को जानना है मन मानव अस्तित्व का केंद्र है। चेतना उसकी ऊर्जा है। विचार उसकी गति है। शक्ति उसका मूल है। जब मनुष्य अपने मन को समझ लेता है, तब वह - भय से मुक्त, रोग से परे, भ्रम से ऊपर और चेतना के प्रकाश में प्रकाशित हो जाता है। यही योग का सार है। यही जीवन का लक्ष्य है। यही मन की अंतिम मुक्ति है।

योग और मन - साधना का वास्तविक विज्ञान मन मनुष्य का सबसे रहस्यमय अवयव है - सुख-दुःख का केन्द्र, निर्णयों का आधार तथा शरीर की हर क्रिया का नियामक। योग में मन को मुक्ति का कारण भी कहा गया है और बंधन का कारण भी, इसलिए उसका नियमन आवश्यक है। मन का सही उपयोग तभी संभव है जब हम उसके वैज्ञानिक पक्ष - तन्त्रिका-विज्ञान, कपाल-विज्ञान और मानसिक तरंगों - को समझें। प्राचीन योग-विज्ञान बताता है कि इच्छाएँ अनंत और उनकी पूर्ति सीमित होती है। इसलिए मन को शान्त करने का मार्ग इच्छाओं की वृद्धि नहीं, बल्कि उनका संयम है। भगवान श्रीकृष्ण ने भी गीता में मन और बुद्धि को ईश्वर में स्थिर करने का उपदेश देकर मानसिक अनुशासन का मार्ग बताया है। साधना का सार यही है कि मन शांत हो, नीरव हो, और उसकी मौज रुक जाए - तभी ध्यान फलीभूत होता है। ध्यान मन की अव्यक्त भावनाओं और पुराने संस्कारों को शुद्ध करने की प्रक्रिया है। मन केवल इस जन्म के अनुभवों से नहीं घिरा होता, वह अनेक जन्मों की वासनाओं का संचित भंडार होता है। ध्यान इन्हीं संस्कारों को सतह पर लाता है, उन्हें धीरे-धीरे समाप्त करता है और मन को पुनः निर्मल बनाता है। इस दृष्टि से ध्यान स्वयं की अंतर्मन - चिकित्सा है, जहाँ साधक ही चिकित्सक और साध्य दोनों होता है।ध्यान मानसिक ऊर्जा को एक दिशा देता है। मन की तरंगें जब बिखरती नहीं, एक विषय पर टिकती हैं, तब शारीरिक - मानसिक शांति, ऊर्जा - संरक्षण और आन्तरिक दृढ़ता विकसित होती है। यह प्रक्रिया तनाव, क्रोध, भय, अवसाद और स्नायु-दोष जैसे मानसिक रोगों के मूल कारणों को धीरे-धीरे नष्ट कर देती है।

आधुनिक जीवन ने मनुष्य को मानसिक रूप से असंतुलित और तनावग्रस्त बना दिया है। दवाएँ क्षणिक राहत देती हैं, पर नीरोगता नहीं देतीं। योग और ध्यान ही वे साधन हैं जो मन, शरीर और भावनाओं के तनावों को मूल से हटाते हैं और व्यक्ति को शांति, स्थिरता और स्वास्थ्य की ओर ले जाते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

नर्मदा तट पर बसा गांव बना संत-महात्माओं की तपोभूमि, प्रकृति की गोद में आध्यात्मिक केंद्र के रूप में उभरता गांव

अनूपपुर, सांध्य प्रकाश। पवित्र नगरी अमरकंटक से लगभग 15 किलोमीटर दूर हरे भरे पहाड़ियों से आच्छादित अत्यंत शांत प्रिय कल कल निनाद करती मां नर्मदा की जलधारा तट से निकलते हर हर नर्मदे करते नर्मदा परिक्रमा वासी ऐसे मनोरम वादियों के तराई में बसा हुआ। मां नर्मदा के पावन तट पर स्थित छोटा सा गांव दमगढ आज अपनी अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ अपनी गहरी आध्यात्मिक पहचान के कारण क्षेत्र ही नहीं, बल्कि दूर-दराज के क्षेत्रों में भी विशेष रूप से जाना जाने लगा है। चारों ओर फैली हरियाली, शांत वातावरण और कल-कल बहती नर्मदा की निर्मल धारा इस गांव को एक अलौकिक अनुभूति प्रदान करती है। यही कारण है कि यहां देश के विभिन्न हिस्सों से संत-महात्मा साधना और तपस्या के लिए पहुंचते हैं।

नर्मदा नदी के किनारे बसा दमगढ़ गांव प्रकृति की गोद में स्थित एक ऐसा शांत और पवित्र स्थल है, जहां कदम रखते ही मन को अद्भुत शांति का अनुभव होता है। गांव के आसपास घने जंगल, छोटी-बड़ी पहाड़ियां और स्वच्छ वातावरण इस क्षेत्र को एक तपोस्थली के रूप में विशेष पहचान दिलाते हैं। वर्षों से संत-महात्मा यहां नियमित रूप से आकर ध्यान, साधना और तपस्या करते आ रहे हैं। उनकी उपस्थिति से गांव का वातावरण और भी अधिक धार्मिक एवं आध्यात्मिक बन गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि यहां का प्राकृतिक परिवेश ध्यान और अध्यात्म के लिए अत्यंत अनुकूल है। साधु-संतों के निरंतर आगमन से गांव में भजन-कीर्तन, ध्यान-साधना और धार्मिक आयोजनों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। इससे न केवल गांव का आध्यात्मिक महत्व बढ़ा है, बल्कि पूरे क्षेत्र में धार्मिक चेतना का भी व्यापक प्रसार हुआ है।।

हर वर्ष गांव में धार्मिक अनुष्ठान, ध्यान शिविर, हवन-पूजन और श्रद्धालुओं का आगमन लगातार बढ़ रहा है। इसका सकारात्मक प्रभाव स्थानीय आर्थिक गतिविधियों पर भी देखने को मिल रहा है। श्रद्धालुओं और साधकों के आगमन से छोटे व्यापार, आवास, भोजन व्यवस्था और स्थानीय सेवाओं को बढ़ावा मिला है, जिससे ग्रामीणों को रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। यह गांव एक आध्यात्मिक साधना स्थल और शांत धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में उभरकर सामने आया है।

राम, कृष्ण, विक्रमादित्य, राजा भोज और अशोक के नाम पर बनेंगे भव्य द्वार :मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संबोधनः विरासत, धर्म और विकास पर दिए बड़े बयान

भोपाल, सांध्य प्रकाश। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को भोपाल में आयोजित एक कार्यक्रम में जोरदार संबोधन करते हुए प्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को फिर से जीवंत करने का एलान किया। सीएम ने कहा कि अब भोपाल में प्रवेश करने वाले हर मार्ग पर हमारे गौरवशाली महापुरुषों के नाम से भव्य द्वार बनेंगे। उज्जैन की ओर से आने वाले को विक्रमादित्य द्वार, नर्मदापुरम से आने वाले को राजा भोज द्वार, विदिशा से आने वाले को सम्राट अशोक द्वार, एक द्वार भगवान राम के नाम और एक भगवान श्रीकृष्ण के नाम से बनेगा। उन्होंने कहा, ÷हम अपने गौरवशाली अतीत को भूल चुके थे, अब उसे फिर से स्थापित कर रहे हैं।÷

मुख्यमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का जिक्र करते हुए कहा, ÷सुप्रीम कोर्ट ने भगवान राम के जन्म स्थान पर फैसला दिया, चींटी भी नहीं मरी और धूमधाम से पहले भूमि पूजन फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर का लोकार्पण किया। अयोध्या, काशी, अवंतिका में महालोक छा गया।÷ कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए उन्होंने कहा, ÷कांग्रेसी कहते हैं ये आप क्या कर रहे हो? हमने कहा ङ्क जो तुम्हारे काका जी 70 साल में नहीं कर पाए, वो हम कर रहे हैं।÷

राहुल गांधी पर बिना नाम लिए करारा प्रहार करते हुए सीएम ने कहा, ÷वो पप्पू कहां से लाता है? हम भी कहते हैं ये पप्पू है, समझता नहीं इसलिए जनता ने समझा दिया। डूबते जहाज का नाविक है खुद भी डूबेगा और सबको डुबो देगा।÷ उन्होंने भोपाल गैस त्रासदी का जिक्र कर कांग्रेस पर निशाना साधा कि वो कलंक उनके माथे पर है और हमारी सरकार ने उस कलंक को धोने का काम किया है। गौपालन को बढ़ावा देने की घोषणा करते हुए सीएम ने कहा, ÷देश का प्रधानमंत्री चाय वाला है और मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री गाय वाला है। जो भी गौशाला चलाएगा, उसका पूरा खर्च सरकार उठाएगी।÷ बाबा साहब आंबेडकर के संविधान को पवित्र बताते हुए उन्होंने कहा कि असली संविधान वही है, जिसे बाबा साहब ने बनाया। सीएम मोहन यादव का यह संबोधन सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों में नया जोश भर रहा है कि मध्यप्रदेश अब अपने गौरवशाली इतिहास को फिर से जीवंत करने जा रहा है।

स्व. भैयालाल शुक्ल की पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा आयोजित

रीवा , सांध्य प्रकाश। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल अपने पूज्य पिताजी एवं विंध्य क्षेत्र के प्रख्यात समाजसेवी स्व. श्री भैयालाल शुक्ल जी की 10वीं पुण्यतिथि के अवसर पर हरिहरपुर धाम रीवा में आयोजित प्रार्थना सभा में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री ने स्व. श्री शुक्ल जी के स्मृति स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके महान कार्यों और जीवन मूल्यों का स्मरण किया। प्रार्थना सभा में परिवारजन सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, ग्रामवासी तथा समाजसेवी उपस्थित रहे।

प्रार्थना सभा को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह भावपूर्ण अवसर उस महान विभूति की स्मृति को समर्पित है जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाजसेवा, मानवीय मूल्यों और त्याग के आदर्शों को जिया। पूज्य पिता जी ने जीवनभर सेवा, त्याग और मानवता के आदर्शों को अपनाया और समाज में एक मिसाल प्रस्तुत की। पूज्य पिताजी के त्याग, सेवा और मानवीय मूल्यों की विरासत सदैव प्रेरणा देती रही है। उन्होंने सादगी, त्याग और मानवङ्कसेवा को अपने जीवन का धर्म बनाया। उप मुख्यमंत्री ने भावपूर्ण शब्दों में अपने पिताजी के दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा स्थापित मानवीय मूल्यों को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने उपस्थित संत समाज को श्रद्धा और सम्मान के प्रतीक स्वरूप श्रीफल एवं शॉल भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। पूज्य पिताजी की स्मृति में श्री शुक्ल ने पौधरोपण कर प्रकृति के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की।

मप्र से 11 बाघों को भेजने की तैयारी

ओडिशा, राजस्थान और छत्तीसगढ़ भेजे जाएंगे, प्रोसेस शुरू; सीएम ने कहा- बदले में दूसरे जानवर मिलेंगे

भोपाल, सांध्य प्रकाश। मप्र से 11 बाघों को ओडिशा, राजस्थान और छत्तीगढ़ भेजा जाना है। बाघों को दूसरे राज्यों में भेजे जाने से पहले उनका वैज्ञानिक अध्ययन किया जा रहा है। इसकी शुरुआत पेंच टाइगर रिजर्व से हो गई है। पैंच टाइगर रिजर्व की बाघिन को ढ्ढ कैमरे और हाथियों की मदद से शुक्रवार को ट्रेंकुलाइज (शांत करने की दवा दी गई) कर रेडियो कॉलर पहनाया गया है। रेडियो कॉलर पहनाकर बाघिन को दोबारा जंगल में छोड़ दिया गया। अब अगले कुछ दिनों तक उसकी लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। उसके चलने-फिरने के तरीके, स्वास्थ्य और व्यवहार की जांच के बाद ही राजस्थान को बाघ भेजने की अंतिम मंजूरी दी जाएगी।

गौरतलब है कि ओडिशा, राजस्थान और छत्तीसगढ़ को मप्र से 11 बाघ भेजे जाने हैं। इसकी शुरुआत पैंच टाइगर रिजर्व से की गई है। इसके तहत बाघिन को पकड़ने का काम 6 दिन पहले शुरू किया गया था। शुक्रवार सुबह ढ्ढ कैमरा ट्रैप सिस्टम से बाघिन के मूवमेंट्स पता चले। इन इनपुट्स के आधार पर पेंच के फील्ड स्टाफ ने संभावित क्षेत्र में खोज शुरू कर दी। हाथी दस्तों की सहायता से टीमों ने जंगल के गहन हिस्से में बाघिन का पता लगाया। उसके बाद उसकी पहचान पक्की की गई, जिससे बाघिन को भेजे जाने का पहला स्टेप सक्सेसफुल रहा।

वन विभाग के स्पेशलिस्ट पशु चिकित्सक डॉ. अखिलेश मिश्रा के नेतृत्व में और डॉक्टर अमित कुमार ओड की उपस्थिति में स्पेशल टीम ने फिक्स्ड प्रोटोकॉल के तहत बाघिन को सुरक्षित रूप से ट्रेंकुलाइज किया। इसके बाद स्पेशलिस्ट द्वारा उसे रेडियो कॉलर पहनाया गया, ताकि आगे उसकी मूवमेंट, स्वास्थ्य और व्यवहार पर सटीक निगरानी की जा सके। यह बाघों का दूसरे राज्यों में भेजने का काम दोनों राज्यों की टीमों मिलकर वैज्ञानिक तरीके से और सही तालमेल के साथ कर रही हैं।

बदले में लिए जाएंगे दूसरे वन्यप्राणी

बाघों को दूसरे राज्यों को दिए जाने से पहले सीएम के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्देश दिए थे कि जिन राज्यों को बाघ दिए जा रहे हैं, उनसे बदले में वहां के वन्यप्राणी लिए जाएंगे। इसकी प्रक्रिया भी वन विभाग ने शुरू कर दी है। संबंधित राज्यों से दूसरे वन्यप्राणी लेकर उन्हें भोपाल वन विहार में छोड़ा जाएगा। प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 165 बाघ हैं। पिछली गणना में यहां 124 बाघ थे। कान्हां टाइगर रिजर्व में 129 और पेंच में 123 बाघ हैं। अगली गणना में इन टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या और अधिक बढ़ सकती है। इस तरह से प्रदेश के टाइगर रिजर्व में कुल 563 और मप्र के पूरे वनक्षेत्र में 785 बाघ हैं।

पिछले साल गुजरात भेजे गए थे दो बाघ

पिछले साल दिसंबर में वन विहार से एक नर बाघ और बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से एक मादा बाघिन को गुजरात भेजा गया था। इन दो बाघों के बदले एनिमल एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत दो शेरों का जोड़ा लिया गया था। इस जोड़े को वन विहार में रखा गया है। गौरतलब है कि गुजरात से शेरों का जोड़ा लाने की कवायत पिछले 16 साल से चल रही थी। पिछले साल यह प्रक्रिया पूरी हो पाई है। इसको देखते हुए अब राजस्थान, ओडिशा और छत्तीसगढ़ से वहां के वन्यप्राणी लेने की सहमति पहले ली जा रही है।

नरसिंहगढ़ में प्रांतीय पटवारी संघ के चुनाव संपन्न, हेमंत सक्सेना बने नए तहसील अध्यक्ष

नरसिंहगढ़, सांध्य प्रकाश। मध्यप्रदेश प्रांतीय पटवारी संघ शाखा नरसिंहगढ़ के तहसील अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। चुनाव में हेमंत सक्सेना को तहसील अध्यक्ष चुना गया। अध्यक्ष बनने पर संघ के सभी पटवारियों ने हेमंत सक्सेना को शुभकामनाएं प्रेषित कीं और आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा बधाई देने वालों में राजस्व निरीक्षक संजय भेसारे ,गोपाल कृष्ण मौर्य,अशोक मिश्रा पटवारी मनोज शर्मा,अर्पित सक्सेना,बबलू चौधरी, संदीप श्रीवास्तव, गोपाल यादव,शैलेश द्विवेदी,अम्बाराम अहिरवार, श्यामबाबू दांगी,हजारीलाल वर्मा,मदन लाल आदि उपस्थित रहे ।

रामकिशोर शर्मा के निवास पर हुआ नवनियुक्त भाजपा महिला मोर्चा अश्विनी परांजपे का स्वागत

ओबेदुल्लागंज संध्या प्रकाश -मध्यप्रदेश महिला मोर्चा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे भाजपा नेता रामकिशोर शर्मा के निज निवास हिरानिया पहुंची इस दौरान भाजपा नेता अशोक शर्मा, जयप्रकाश शर्मा, योगेश तिवारी, रामेश्वर नागर, गौरी शंकर नागर,डैनी साहू, बाला सैनी, अनिल अरोरा, राम अग्रवाल, कृष धाकड़, उत्तम नागर, पूजा लोधी ने प्रथम नगर आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने साथियों के साथ नवनियुक्त महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। स्वागत समारोह अल्पाहार के पश्चात नव नियुक्त भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राजधानी भोपाल के लिए रवाना हुई राजधानी भोपाल में उनका पदभार ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त अध्यक्ष को शुभकामनाएँ देते हुए संगठन को मजबूत तथा व्यापक बनाने हेतु अपने सहयोग का संकल्प व्यक्त किया।

भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा ने बाबा साहब को दी श्रद्धांजलि

औबेदुल्लागंज संध्या प्रकाश- (संवाददाता)- अंबेडकर बुद्धिस्ट चैरिटेबल सोसायटी द्वारा भारत रत्न संविधान निर्माता डॉ बाबासाहेब आंबेडकर कि 69 वी पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए इस अवसर पर पूर्व पर्यटन एवं सांस्कृतिक मंत्री भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा ने बाबा साहब के चरणो में पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

6 दिसंबर उनकी पुण्यतिथि के मौके पर आइए जानें उनके जीवन से जुड़ी ऐसी बाते जिनके बारे में कम लोग जानते हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर यानी डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर का जन्म दिन 14 को 1891 को मध्य प्रदेश के महू में हुआ था। वो अपने माता-पिता भीमाबाई सकपाल और रामजी की चौदहवीं संतान थे। सकपाल उनका उपनाम था और अंबावडे उनका गांव का नाम था। डॉ बीआर अंबेडकर एक महान विद्वान होने के साथ, एक वकील थे। उन्होंने सैकड़ों हजारों महार जाति के साथ बौद्ध धर्म में परिवर्तित होकर भारत में बौद्ध धर्म का चेहरा बदल दिया। डॉ. अम्बेडकर

जी जिसने इस देश के सुनहरे भविष्य के लिये सपने बुने और उन सपनो कि कोमलता की सहजता के लिये एक संविधान रुपी माला में कानून रूपी मोतियों को पिरोया।

बाबा साहेब भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार प्रथम क़ानून मंत्री बने।इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री दीपेंद्र पाल, मंडल अध्यक्ष भूपेन्द्र नागर, विधायक प्रतिनिधि व हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष सोनू चौकसे, कन्हैया नंदवंशी, सुरजीत सिंह बिल्ले, देवेंद्र सिंह राजू, अखिल भारतीय बाल्मिक महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओ पी गोदिया, विजय वर्मा, उपेंद्र मालवीय, पवनजोत सिंह,संजय प्रजापति, संजय शर्मा,बचन सिंह, संस्था से अध्यक्ष सुनील सेरिया, सुनील वाल्मीकि, भूपेन्द्र मेहरा,सौरभ मालवीय, अनिल झागरे, सरजू बरकरे, प्रीतम पंद्रराम, मनोज दरबार , रमेश कुमार सेरिया, सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

उप मुख्यमंत्री ने हिनौती गौधाम में किया दो शेडों का लोकार्पण

हिनौती गौधाम रीवा को बनाएगी प्राकृतिक और जैविक खेती का जिला : उप मुख्यमंत्री

भोपाल , सांध्य प्रकाश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल हिनौती गौधाम रीवा में बेसहारा गौवंश को रखने के लिए बनाए गए दो शेडों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बसामन मामा गौ अभ्यारण्य और हिनौती गौधाम शासकीय स्तर पर गौ सेवा के सबसे बड़े केंद्र के रुप में विकसित हो रहे हैं। हिनौती गौधाम रीवा जिले को प्राकृतिक और जैविक खेती का केंद्र बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। गौधाम में रहने वाली 50 हजार से अधिक गायों के गोबर और गौमूत्र से तैयार खाद तथा कीटनाशक खेती को समृद्ध बनाएंगे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी तरह से विकसित होने के बाद हिनौती गौधाम शासन द्वारा निर्मित सबसे बड़ी गौशाला होगी। इसके मास्टर प्लान के अनुसार सभी निर्माण कार्य तेजी से और समय पूरे कराएं, जिससे हजारों गौवंश को आश्रय दिया जा सके। गौशाला में गायों के लिए उचित प्रबंध होने पर ही इसमें गौवंश की संख्या बढ़ाई जाए। वर्तमान में गौशाला में आश्रय पा रही ही सभी गायों का उप संचालक पशुपालन पंजीयन कराएं। निर्माण कार्यों को पूरा करने के लिए समन्वय से प्रयास करें। हिनौती गौधाम को विकसित करने में हर व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार योगदान दे। गौसेवा ही सही मायनों में ईश्वर की भक्ति है। गौवंश के लिए मिलने वाले 40 रुपए के अनुदान में 35 रुपए गाय के आहार के लिए तथा 5 रुपए गौ सेवक के लिए प्रति गाय के मान से मिल रहे हैं। गौ सेवकों को इस राशि का नियमित रूप से भुगतान करें जिससे वे गायों की सेवा मन लगाकर करें। उप मुख्यमंत्री ने अपने पूज्य पिताजी स्वर्गीय श्री भैयालाल शुक्ल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पिताजी की आत्मा तभी प्रसन्न होगी जब हम गौधाम का निर्माण कार्य तेजी से और समय पर पूरा कराएं। वे जो भी निर्माण कार्य अपने हाथ में लेते थे उसे ईमानदारी के साथ और समय से पहले पूरा करते थे। उनका आशीर्वाद ही मेरे जीवन में सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है।

समारोह में जिला पंचायत सदस्य केडी शुक्ला ने सभी गौ सेवकों को निःशुल्क कंबल प्रदान किया। उप मुख्यमंत्री ने गौसेवकों को कंबल का वितरण किया। समारोह में विधायक मनगवां श्री नरेंद्र प्रजापति ने कहा कि हिनौती भारत ही नहीं एशिया की सबसे बड़ी और आधुनिकतम गौशाला बनेगी। इसके निर्माण कार्य के लिए राशि की कोई कमी नहीं है। इसके निर्माण के लिए शुरुआत में 231 एक? भूमि उपलब्ध थी। उप मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से आज हिनौती गौधाम का विस्तार 13सौ एकड़ में हो रहा है। विधायक श्री प्रजापति ने गौशाला का नाम स्वर्गीय श्री भैयालाल शुक्ल हिनौती गौधाम करने का सुझाव दिया। समारोह में पूर्व विधायक श्री श्यामलाल द्विवेदी ने कहा कि स्वर्गीय श्री भैयालाल शुक्ल विंध्य ही नहीं मध्यप्रदेश के सबसे बड़े संविदाकारों में से एक थे। उनके निर्माण कार्यों की आज भी मिसाल दी जाती है। उन्होंने सदैव गरीबों की मदद और समाज सेवा की। उनके यशस्वी पुत्र उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल जी अपने बाबूजी के सपनों को ही सरकार कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से ही रीवा में बसामन मामा गौ अभ्यारण्य और हिनौती गौधाम का विकास हो रहा है। हिनौती गौधाम तीर्थ के रूप में विकसित होगा। समारोह में जिला पंचायत सदस्य श्री केडी शुक्ला, जनपद अध्यक्ष गंगेव श्री विकास तिवारी तथा श्री सुनील पाण्डेय ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

उप मुख्यमंत्री ने गौधाम की व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया तथा निर्माण कार्यों को तेजी से पूरा करने के संबंध में निर्देश दिए। समारोह में उप मुख्यमंत्री ने गौपूजा करके गायों का सम्मान किया। समारोह में पूज्य संत रामसुमन महाराज जी तथा संत श्री बटुक जी महाराज, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, एसडीएम दृष्टि जायसवाल, गौ संवर्धन बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष राजेश पाण्डेय, संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डीपी सिंह, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण सेवा बीडी कोरी, सरपंच ग्राम पंचायत हिनौती भारत साकेत सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित रहे।

टूट गई शादीज स्मृति मंधाना ने पलाश मुछाल से शादी तोड़ने का किया एलान,

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर चल रही अटकलों पर आखिरकार विराम लगा दिया है। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर संगीतकार पलाश मुच्छल के साथ अपनी शादी टूटने की पुष्टि की है।

पिछले कई हफ्तों से दोनों के रिश्ते को लेकर तरह-तरह की खबरें सामने आ रही थीं। अब स्मृति ने खुद इन सभी अफवाहों पर अपनी पहली प्रतिक्रिया देते हुए स्थिति स्पष्ट की है।स्मृति मंधाना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी के माध्यम से यह संवेदनशील जानकारी दी। उन्होंने लिखा कि वह आमतौर पर अपनी निजी जिंदगी को लेकर बात नहीं करती हैं, लेकिन मौजूदा हालात में उन्हें स्पष्टीकरण देना जरूरी लगा। स्मृति मंधाना ने स्टोरी पर लिखा, पिछले कुछ हफ्तों से मेरे जीवन को लेकर बहुत सारी अटकलें लगाई जा रही थीं और मुझे लगता है कि इस समय मेरा खुलकर बोलना महत्वपूर्ण है। मैं एक बहुत ही निजी व्यक्ति हूं और मैं इसे ऐसे ही रखना चाहती हूं, लेकिन मुझे यह स्पष्ट करने की आवश्यकता है कि शादी टूट गई है।अपने बयान में स्मृति ने प्रशंसकों और मीडिया से एक खास अपील भी की। उन्होंने कहा कि यह उनके और पलाश, दोनों के परिवारों के लिए एक संवेदनशील समय है। उन्होंने अनुरोध किया कि इस मामले में उनकी निजता का सम्मान किया जाए ताकि वे इस स्थिति से सहजता से आगे बढ़ सकें।

इंडस्ट्री प्रो ने बीएचईएल भोपाल में आयोजित किया अत्याधुनिक ऑटोमेशन टेक्नोलॉजी पर सेमिनार

भोपाल सांध्यप्रकाश। इंडस्ट्री प्रो ने आज भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (क्काश्वरु), भोपाल में नवीनतम औद्योगिक ऑटोमेशन तकनीक पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया।

सेमिनार मेंआशीष औरंगाबादकर (त्नरू)की विशेष उपस्थितिरही, जिनके मार्गदर्शन ने सत्र को और अधिक प्रभावी बनाया।साथ ही बीएचईएल के विभिन्न विभागों से महाप्रबंधक (त्नरू), उप महाप्रबंधक (छ्तरू) सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इंडस्ट्री प्रो ने अपनी 360 डिग्री सॉल्यूशन्सक्षमता को प्रस्तुत करते हुए स्द्बष्ठ, ढ्ढञ्ज-ह्रञ्ज इंटीग्रेशन, इंडस्ट्रियल डिजिटलाइजेशन, क्रेन मॉनिटरिंग, तथा महत्त्वपूर्ण औद्योगिक उपकरणों की रिपेयरिंग एवं सर्विसिंग जैसे प्रमुख विषयों को कवर किया।प्रतिभागियों ने इस सत्र को अत्यंतरोचक, उपयोगी और ज्ञानवर्धकबताया। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने न केवल वर्तमान तकनीकों बल्कि भविष्य की इंडस्ट्री आवश्यकताओं पर भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। कंपनी की ओर से रोहित सिंवर, जयेश शिवरामनी, एवं राजेशनायर नेसभी पहलुओं का विस्?तार से चर्चा की एवं जिज्ञासाओंका समाधान किया। इंडस्ट्री प्रो का उद्देश्य है कि भारतीय उद्योगों को बेहतर उत्पादकता, सुरक्षा और लागत अनुकूलन के लिए आधुनिकतम ऑटोमेशन समाधान उपलब्ध कराए जाएँ, जिससे उद्योग 4.0 की दिशा में देश की प्रगति तेज़ी से आगे बढ़े। इंडस्ट्री प्रो ने भविष्य उन्मुख तकनीकी सीख एवं पहल के लिएबीएचईएल प्रबंधन को हार्दिक धन्यवादज्ञापित किया। वहीं कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु बीएचईएल प्रबंधन और सभी प्रतिभागियों ने इंडस्ट्री प्रो टीम की सराहना की।इंडस्ट्री प्रो टीम तकनीकी सेमिनार के समन्वय के लिए विवेक सिंह यादव (डीजीएम) और भूपेंद्र मिश्रा (वरिष्ठ प्रबंधक) का भी हार्दिक धन्यवाद करती है।

रविवारीय गपशप

रौबदार प्रमुख सचिव की सिफारिश और हिकमतअमली से निपटा मामला

आनंद शर्मा

सरकारी नौकरी कैसी भी हो , अफ़सर को सिफारिशों से जद्दोजहद करनी ही पड़ती है , कभी नेताओं की , कभी घरवालों की और कभी खुद के सीनियर अफसरों की , और इन सब सिफारिशों में ना होने वाले कामों को करवाने के दबावों से भी जूझना पड़ता है । मैं राजगढ़ में कलेक्टर था तो एक वरिष्ठ अधिकारी , जो उन दिनों प्रमुख सचिव के पद पर थे , का मुझे फ़ोन आया और उन्होंने कहा कि ' आपके जिले में अधिकारी बड़ी गड़बड़ी कर रहे हैं , मेरे एक रिश्तेदार ने राजगढ़ जिले के खुजनेर शहर कोई जमीन खरीदी है , और उसकी रजिस्ट्री भी कराई है , पर रजिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट वाले रजिस्ट्री नहीं दे रहे हैं और ऊपर से पैसों की माँग कर रहे हैं और इसमें आपका जिला अधिकारी भी शामिल है ।' बात बड़ी गंभीर थी , वे वरिष्ठ तो थे ही , पर उनकी धाकड़ छवि के कारण हम सभी इनका सम्मान करते थे । मैंने उन्हें आश्वस्त किया और उनसे उनके उन परिचित रिश्तेदार का नम्बर ले लिया , ताकि मैं सीधे बात कर समस्या को हल कर सकूँ । इसके बाद मैंने जिला पंजीयक रजनीश सोलंकी को बुलाया और उनसे शिकायत का जिक्र कर वस्तुस्थिति जाननी चाही । रजनीश कहने लगे ' सर इन्होंने जो प्लॉट बता कर रजिस्ट्री कराई है , वह बना बनाया मकान था , और इन्होंने खरीद कर उसे अब तोड़ कर प्लॉट कर लिया है , पर उसकी सेटलाइट इमेज में वह मकान दिख रहा है , और उसकी पुरानी फोटो भी है । दरअसल दीपाली रस्तोगी मैडम , जो कि हमारी रजिस्ट्रार हैं , उन्होंने एक सॉफ्टवेर बनवाया है , जिसमें रेंडम आधार पर कुछ रजिस्ट्री की जांच आती है , उसमें ये गड़बड़ी पकड़ में आई है , अलग से जांच नहीं की है और अब तो ये मामला भी ऊपर तक रिपोर्ट हो चुका है और दीपाली मैडम खुद इसकी निगरानी रखती हैं , तो इनको अतिरिक्त रजिस्ट्रेशन शुल्क जमा करना ही होगा । सोलंकी सीधा सादा अफसर था और उसके बारे में कोई विपरीत किस्म की शिकायत कभी मिली भी नहीं थी । मैंने फ़ाइल देखी , उसका एक एक शब्द सच था ।मैं सोच में पड़ गया कि अब क्या करूँ ? आख़िरकार मुझे एक उपाय सूझा , मैंने रजनीश सोलंकी जी से फ़ाइल अपने पास रखवा ली और अधिकारी महोदय के उस रिश्तेदार को दूसरे दिन फ़ोन कर ऑफिस आने का निमंत्रण दे दिया । दूसरे दिन वे रिश्तेदार महोदय मेरे दफ़्तर में नियत समय पर आ गए । मैंने उन्हें प्रेम से बिठाया , साथ बैठ कर चाय पी और बताया कि साहब का फ़ोन आया था आपकी तकलीफ़ के बारे में । वे सहज हो गए तो मैंने सामने रखी फाइल उन्हें खोल कर दिखाई और प्रेम से कहा ' देखो मेरे भाई सच्चाई तो ये है , और आपने जिनकी सिफारिश लगवायी है , पूरे प्रदेश में उनकी एक अलग इमेज है , जिसकी लोग मिसालें भी दिया करते हैं । अब इस बारे में लोगों को पता लग गया कि उनके नाम पर आप सरकारी शुल्क बचाना चाहते हो तो बड़ी भद्द पिटेगी । इतना सा शुल्क है और आपके साहब का नाम कई गुना बड़ा है , बताओ क्या आप ऐसा करना चाहोगे ? ' उसे बात तुरत समझ आ गई और उसने कहा ' कोई बात नहीं सर हम पैसे जमा कर रजिस्ट्री छुड़वा लेते हैं ।' बात बन गई और वे भाईसाहब हमारे अच्छे मित्र बन गए आज भी मुझे उनके दिवाली और होली पर बधाई के संदेश आते हैं ।

लाइव परफ़ॉर्मर सिंगर सागरिका देब ने एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुतियां

भोपाल सांध्यप्रकाश। टीटी नगर दशहरा मैदान में 33 वें भोपाल उत्सव मेला में आज की शाम सागरिका देब के नाम रही। संगीत और नृत्य की रंगीन छटा बिखरी, जिससे शाम सुरमई हो गई। सतरंगी छटा में गीतों की यूँ महफ़िल सजी की हर कोई गाते गुनगुनाते, थिरकते नजर आए। सेलिब्रिटी सिंगर सागरिका देब ने एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुतियां दीं.... सर्वप्रथम प्रस्तुति...

अजीब दास्तां है ये
कहाँ शुरू कहाँ खतम
ये मंज़िलें है कौन सी
न वो समझ सके न हम
अजीब दास्तां है ये
कहाँ शुरू कहाँ खतम
ये मंज़िलें है कौन सी
न वो समझ सके न हम.. के बाद...

.वह एक बहुत नीले नीले अम्बर पर, चाँद जब आये प्यार बरसाए, हमको तरसाये ऐसा कोई साथी हो ऐसा कोई प्रेमी हो प्यास दिल की बुझा जाए नीले नीले .....की शानदार प्रस्तुति दी। सागरिका ने अगली प्रस्तुति में डांस और गाने के साथ परफॉरमेंस दी...झूम झूम झूम बाबा झूम झूम झूम बाबा ये रात के साथ दी।

आज शाम कार्यक्रम के बारे मे महामंत्री अजय सोगानी ने बताया कि सागरिका देब के गीत-संगीत की धुनों पर लोग झूम उठे। लाइव परफ़ॉर्मर सिंगर सागरिका देब ने हिट गीतों से समां बांध दिया। उन्होंने ओर कई हिट गानों पर अपना परफॉर्मेंस दिया ओर कई लोकप्रिय गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। दर्शकों ने वन्स मोर के साथ उनका उत्साह बढ़ाया। इन गानों ने श्रोताओं में जबरदस्त उत्साह पैदा किया और उन्हें देर रात तक बांधे रखा।सागरिका ने अपनी शानदार प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके लोकप्रिय गानों पर दर्शक झूम उठे और पूरे माहौल में जोश भर गया। इस कार्यक्रम में कार्यक्रम के संयोजक अजय सोगानी, नारायण सिंह कुशवाहा समिति के सदस्य मौजूद थे।

ऑफिस के बाद नहीं उठाना पड़ेगा बॉस का कॉल, लोकसभा में पेश हुआ राइट टू डिस्कनेक्ट बिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में कर्मचारियों के लिए बेहतर वर्क-लाइफ बैलेंस सुनिश्चित करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले ने लोकसभा में 'राइट टू डिस्कनेक्ट बिल, 2025' पेश किया है। यह एक निजी सदस्य विधेयक है, जिसका मकसद कर्मचारियों को ऑफिस के घंटों के बाद काम से जुड़े फोन कॉल्स और ईमेल से कानूनी तौर पर दूर रहने का अधिकार देना है। यह बिल ऐसे समय में आया है जब डिजिटल तकनीक ने काम को लचीला तो बनाया है, लेकिन साथ ही इसने पेशेवर और निजी जीवन के बीच की रेखा को भी धुंधला कर दिया है। इस विधेयक का उद्देश्य इसी समस्या का समाधान करना है ताकि कर्मचारियों की मानसिक सेहत और जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

क्या है 'राइट टू डिस्कनेक्ट' बिल?

यह बिल कर्मचारियों को यह अधिकार देता है कि वे अपने निर्धारित काम के घंटों के बाद नियोक्ता (बॉस या कंपनी) की तरफ से आने वाले फोन, ईमेल या किसी भी अन्य डिजिटल कम्युनिकेशन का जवाब देने से इनकार कर सकते हैं। आसान शब्दों में कहें तो, ऑफिस का समय खत्म होने के बाद बॉस को 'न' कहने का कानूनी अधिकार कर्मचारियों को मिल जाएगा।

पद,पैसा पर अहंकार करने वालों का होता विनाशः आनंद कृष्णा शास्त्री

भोपाल सांध्यप्रकाश। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, भोपाल जिला प्रभारी एवं श्री हिन्दू उत्सव समिति (रजि.63) भोपाल प्रवक्ता बालिस्ता रावत, विधि प्रकोष्ठ मंडल संयोजक अधिवक्ता केपी पाठक ने श्रीमद् भागवत व्यासगादी का पूजन कर कथा का किया श्रवण । बालिस्ता रावत ने व्यासगादी व कथा वाचक को प्रणाम कर, कथा के आयोजकों को शुभकामनाएं देकर उज्वल भविष्य की कामना की, कथा का श्रवण कर रहे दर्शकों, श्रोताओं के परिवार के सुख, समृद्धि, खुशहाली के लिये प्रभु से प्रार्थना की । श्रीधाम वृंदावन मथुरा के राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित आनंद कृष्णा शास्त्री ने कथा का श्रवण कराते हुये बताया कि कुछ लोग पद, पैसा पर अहंकार कर स्वयं को सर्व शक्तिमान, भगवान समझने लगते है, ऐसे अहंकारियों के विनाश के लिये भगवान प्रलय, आपदाओं से विधर्मियों का नाश करते है । दीपक मिश्रा ने बताया कि बिटिया दर्शिका मिश्रा के जन्मोत्सव के अवसर पर इस वर्ष भी कथा का आयोजन कराया गया, 30 नवंबर से 6 दिसंबर तक दोपहर 1 से 4 बजे तक पंडित आनंद कृष्णा शास्त्री के द्वारा कथा का श्रवण कराया गया।

गोवा के नाइट क्लब में सिलेंडर फटने से 23 की मौत, मरने वालों में 4 टूरिस्ट भी

गोवा: शनिवार आधी रात के बाद उत्तरी गोवा के अरपोरा में एक मशहूर नाइट क्लब में सिलेंडर फटने से लगी आग में कुल 23 लोगों की मौत हो गई. इस दुखद हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी ने भी दुख जाहिर किया.

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बताया कि मरने वालों में ज़्यादातर किचन स्टाफ के सदस्य थे, जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल थीं, और मरने वालों में 'तीन से चार टूरिस्ट' भी थे. सीएम ने कहा कि हम क्लब मैनेजमेंट और उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे जिन्होंने सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने के बावजूद उन्हें चलाने की इजाज़त दी.

सीएम प्रमोद सावंत ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी ली और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा, 'कुल 23 लोगों की मौत हो चुकी है। जिन लोगों की जान गई है, मैं उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। गोवा सरकार की ओर से मामले की पूरी जांच की जाएगी और जो भी दोषी है उसे गिरफ्तार किया जाएगा, गोवा के इतिहास में पर्यटन स्तर पर इस तरह की घटना होना बहुत बड़ी बात है।'

रणवीर सिंह की 'धुरंधर' ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया धमाल, बनी 2025 की दूसरी सबसे बड़ी ओपनर

मुंबई। रणवीर सिंह की लंबे इंतजार के बाद रिलीज हुई स्पाई थ्रिलर 'धुरंधर' ने 5 दिसंबर 2025 को थिएटर्स में धमाकेदार एंट्री मारी है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने पहले ही दिन 27.04 करोड़ रुपये (नेट इंडिया) कमा लिए, जो न सिर्फ रणवीर के करियर की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग है, बल्कि साल 2025 की दूसरी सबसे बड़ी ओपनर भी बन गई।

सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म ने सुबह के शुरुआती शोज में 15% से ज्यादा ऑक्यूपेंसी रिकॉर्ड की और शाम तक यह आंकड़ा 26 से ऊपर पहुंच गया। फिल्म ने अपनी रिलीज से पहले ही विवादों और स्टारकास्ट की वजह से सुर्खियां बटोरीं, लेकिन दर्शकों ने साबित कर दिया कि कंटेंट ही राजा है। 'धुरंधर' ने अहान पांडे की 'सैयारा' (21.9 करोड़) और रणवीर की ही 'पद्मावत' (24 करोड़) को ओपनिंग डे पर पीछे छोड़ दिया। हालांकि, विक्की कौशल की 'छावा' (31 करोड़) अभी भी नंबर वन पर काबिज है। ट्रेड एनालिस्ट्स का मानना है कि वीकेंड पर वर्ड ऑफ माउथ के दम पर फिल्म 70-80 करोड़ तक पहुंच सकती है। रणवीर ने इसमें एक भारतीय जासूस का किरदार निभाया है, जो पाकिस्तान के अंडरवर्ल्ड में घुसकर लयारी गैंग्स के नेटवर्क को तोड़ने की मिशन पर है। फिल्म में संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल जैसे दिग्गजों के साथ 20 साल की सारा अर्जुन ने लीड फीमेल रोल किया है, जिसकी सोशल मीडिया पर खूब तारीफ हो रही है। क्रिटिक्स ने रणवीर की इंटेंस परफॉर्मेंस, डायरेक्शन और बैकग्राउंड म्यूजिक की सराहना की है, जबकि आईएमडीबी पर 7.8 रेटिंग मिल चुकी है। रणवीर की पिछली फिल्मों से तुलना करें तो 'धुरंधर' ने 'सिंबा' (20.72 करोड़), 'गली बॉय' (19.40 करोड़) और 'गुंडे' (16.12 करोड़) जैसे हिट्स को भी धूल चटा दी। यह फिल्म भारत-पाक के रियल-लाइफ इवेंट्स से इंस्पायर्ड है और इसके एंड-क्रेडिट्स में पार्ट-2 का ऐलान हो चुका है, जो 19 मार्च 2026 को रिलीज होगी। दर्शकों के रिएक्शन से साफ है कि 'धुरंधर' 2025 का आखिरी बड़ा सरप्राइज साबित हो रही है।

जल्द पूरे कर लें जरूरी काम, 7 से 25 दिसंबर के बीच इतने दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंक यूजर्स के लिए जरूरी खबर है। अगर बैंक संबंधित कोई भी काम है तो फटाफट पूरा लीजिए क्योंकि दिसंबर में 7 से 25 दिसंबर के बीच 11 दिन बैंक बंद रहने वाले है। इसमें साप्ताहिक अवकाश रविवार और दूसरा शनिवार भी शामिल है। इसके अलावा अलग-अलग राज्यों में त्योहारों के कारण भी बैंक बंद रहने वाले हैं। बैंक हॉलिडे होने के चलते चेकबुक व पासबुक समेत कई बैंकिंग संबंधित काम प्रभावित हो सकते है, हालांकि ऑनलाइन सेवाएं जारी रहेंगी जिससे अन्य काम हो सकेंगे। एटीएम और डेबिट कार्ड लेन-देन भी चालू रहेंगे। आइए जानते हैं कि दिसंबर के महीने में किस किस दिन बैंकों में अवकाश रहेगा....

7 दिसंबर : रविवार
12 दिसंबर - पा तोगन नेंगमिंजा संगमा दिवस (मेघालय)
13 दिसंबर - दूसरा शनिवार
14 दिसंबर : रविवार
18 दिसंबर - गुरु घासीदास जयंती (छत्तीसगढ़), यू सोसो थम की पुण्यतिथि (मेघालय)
19 दिसंबर - गोवा मुक्ति दिवस (गोवा)
20 दिसंबर (शनिवार): सिक्किम में लोसूंग/नामसूंग त्योहार
21 दिसंबर : रविवार
22 दिसंबर (सोमवार): सिक्किम में लोसूंग त्योहार
24 दिसंबर- क्रिसमस ईव (मेघालय, मिजोरम)
25 दिसंबर, गुरुवार - क्रिसमस (अधिकांश राज्यों में छुट्टी रहेगी।

भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, हर महीने के दूसरे/ शनिवार को बैंक बंद रहते हैं, जबकि हर रविवार को साप्ताहिक अवकाश भी होता है।

त्योहारों पर बैंकों में काम नहीं होता ।भारत में बैंक की छुट्टियों में राष्ट्रीय अवकाश (राजपत्रित अवकाश) व सरकारी अवकाश (राज्य/केंद्र) शामिल हैं।

राज्य सरकार की छुट्टियां अलग अलग राज्यों में अलग-अलग होती हैं, जबकि केंद्र सरकार की छुट्टियाँ पूरे देश में एक जैसी रहती हैं।

क्षेत्रीय छुट्टियां किसी विशेष राज्य या क्षेत्र से संबंधित होती हैं। एक राज्य में किसी दिन अवकाश होने का मतलब यह नहीं है कि दूसरे राज्य में भी छुट्टी होगी।

विद्युत नियामक आयोग ने किया 132 केवी जीआईएस सबस्टेशन फूलबाग ग्वालियर का निरीक्षण

एमपी ट्रांसको द्वारा उपयोग की जा रही एडवांस टेक्नोलॉजी को सराहा

भोपाल सांध्यप्रकाश। मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग की टीम ने गत दिवस मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के 132 केवी जीआईएस सबस्टेशन, फूलबाग ग्वालियर का निरीक्षण किया। टीम मे चेयरमेन श्री गोपाल श्रीवास्तव, सचिव डॉ. उमाकांत पांडेय तथा सदस्य श्री गजेंद्र तिवारी शामिल थे। निरीक्षण के दौरान नियामक आयोग ने सबस्टेशन की तकनीकी कार्यप्रणाली, लोड प्रबंधन, सुरक्षा मानकों और जीआईएस तकनीक के माध्यम से होने वाले संचालन की विस्तार से समीक्षा की। टीम ने उपस्थित इंजीनियरों से नेटवर्क को अधिक विश्वसनीय और उपभोक्ता केंद्रित बनाने के लिए किए जा रहे उपायों की जानकारी भी ली।

टेक्नोलॉजी की सराहना

नियामक आयोग टीम ने सबस्टेशन में अपनाई जा रही एडवांस टेक्नोलॉजी की सराहना करते हुए कहा कि जीआईएस तकनीक शहरी क्षेत्रों में कम स्थान में अधिक क्षमता उपलब्ध कराने के साथ ही फॉल्ट कम करने और बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

एम पी ट्रांसको के ये अधिकारी रहे उपस्थित

विद्युक नियामक आयोग टीम के सबस्टेशन निरीक्षण के समय मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के अधीक्षण अभियंता अरविंद कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय हिंदू सेना के द्वारा धूमधाम से मनाया गया शौर्य दिवस

राष्ट्रीय हिंदू सेना के जिला अध्यक्ष यमन साहू जी ने बताया कि कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी दिनांक 6 दिसंबर शनिवार को शौर्य दिवस के रूप में अनगढ़ हनुमान मंदिर मे धूमधाम से मनाया गया सभी पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं के द्वारा जगह जगह जाकर तिलक लगाकर सौर्य दिवस की शुभकामनाऐ दी गई मंदिरों में पूजा पाठ कर मिठाइयां बाटी गयी और हनुमान चालीसा का पाठ कर जगह-जगह पर हनुमान चालीसा बांटी गई इस दौरान राष्ट्रीय हिंदू सेना जिला अध्यक्ष यमन साहु, , जिला उपाध्यक्ष श्रीवास्तव अनुराग श्रीवास्तव, छात्र परिषद जिलाध्यक्ष विजय गौली, जिला गौ रक्षा प्रमुख विजय सिंह ठाकुर,जिला सचिव रिंकू साहू नगर अध्यक्ष विक्की साहू ब्लॉक अध्यक्ष सुजीत विश्वकर्मा नगर प्रमुख दीपक चंद्रवंशी गोविंदा बम्होरे जी राही साहू प्रवीण कुमार लखेरा शिवम साहू समीर बाग कार्यकारिणी सदस्य प्रथमेश वर्मा मयंक सोनी राघव सिंह वैभव साहू पुरुषोत्तम चंद्रवंशी नवीन साहू पवन डेहरिया अनुज उइके आदित्य लाहौरी गनु भावरकर रिंकू बनबारी मोनू बादशा विवेक मसकोले अभिषेक भलावी राजा वंशकार अंकुश वंशकार जय वंशकारसुभाष कुमरे नीरज डेहरिया रूपेश कुशराम सुजल यादव संजय यादव विश्वेश विष्वकर्मा भविष्य चौरिया अभिषेक प्रजापति ओम प्रकाश विश्वकर्मा और बहुत अधिक संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे

धरती पर बिछी बर्फ की चादर, कोहरा से ढकी पवित्र नगरी, पर्यटक ले रहे आनंद

अनूपपुर, सांध्य प्रकाश। जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध मां नर्मदा उद्गम स्थल अमरकंटक अपनी प्राकृतिक सुंदरता और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है, इन दिनों कड़ाके की ठंड का सामना कर रहा है। इस हिल स्टेशन पर सर्द हवाओं और कम तापमान ने ठिठुरन बढ़ा दी है। अमरकंटक का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ठंड का असर इतना अधिक है कि ओस की बूंदें सफेद चादर में बदल जाती हैं। रात भर पाला जमने के कारण शनिवार की सुबह जमीन पर बर्फ की चादर बिछी सी नजर आई।

यहां की ठंड सर्दियों में पर्यटकों को आकर्षित करती है, जिससे सर्दियों के मौसम में अमरकंटक में पर्यटकों की संख्या बढ़ जाती है। हालांकि, स्थानीय लोगों के लिए यह मौसम चुनौतियां लेकर आता है। दुकानदार और अन्य स्थानीय लोग अपने दैनिक कामकाज में ठंड से बचने के लिए दुकानों के बाहर अलाव जलाकर गर्मी का सहारा लेते हैं। अमरकंटक और इसके आसपास के गांवों में पिछले कुछ दिनों से ठंड तेजी से बढ़ी है। दिसंबर और जनवरी के महीनों में यहां ठंड अपने चरम पर होती है, और इस बार ठंड समय से पहले शुरू हो गया है। पर्यटकों के लिए यह ठंड रोमांचकारी हो सकती है, लेकिन स्थानीय लोगों को इससे निपटने में काफी कठिनाई होती है।

शुक्रवार-शनिवार की रात भर पाला जमने के कारण सुबह जमीन पर बर्फ की चादर बिछी सी नजर आई। नर्मदा नदी के चारों ओर छाए घने कोहरे ने वादियों को मनमोहक बना दिया है। सुबह निकलते ही हल्की धूप ने मौसम को सुहाना कर दिया। पर्यटक इस अद्भुत नजारे का आनंद उठाते हुए प्रकृति की खूबसूरती को कैमरों में कैद कर रहे हैं। अमरकंटक में यह नजारा वर्ष का पहला पाला (बर्फ) पड़ा है। जिसे देख नगरवासी, पर्यटक उत्साहित हो रहें।

ईओडब्ल्यू ने बेलखेड़ी सरपंच-सचिव पर कराये लाखों रू गबन के आरोप मे एफआईआर दर्ज

मण्डला, सांध्य प्रकाश। जिले के बीजाडांडी विकासखंड अंतर्गत आरोपी 01- बीरन सिंह काकोडिया सरपंच ग्राम पंचायत बेलखेडी जनपद पंचायत बीजाडांडी,02- मिथलेश उद्दे सचिव ग्राम पंचायत बेलखेडी।अपराध क्र.153/25 धारा 409,420,120बी, भा.द.वि.एवं धारा 7 सी 13 (1) ए,13 (2),भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 संशोधित 2018 घटना-स्थल ग्राम पंचायत बेलखेडी।

आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ इकाई जबलपुर को ग्रामवासियों द्वारा ग्राम पंचायत बेलखेडी में पदस्थ तत्कालीन सरपंच बीरन सिंह काकोडिया एवं सचिव मिथलेश उद्दे द्वारा ग्राम बेलखेडी एवं ग्राम बीरमपुर में होने वाले विकास कार्यो में अनुचित रूप से बिना कार्य कराये राशि आहरण करने की शिकायत की गयी थी।

शिकायत की जाँच पर पाया गया कि ग्राम पंचायत बेलखेडी में वर्ष 2014 से वर्ष 2022 तक विभिन्न निर्माण कार्यों की राशि का शासन के द्वारा आंवटन किया गया था।इस दौरान बीरन सिंह काकोडिया सरपंच,मिथलेश उद्दे सचिव ग्राम पंचायत बेलखेडी द्वारा फर्जी कार्य कागजो पर दिखाकर बिना निर्माण कार्य कराये राशि 22,87,370/- रूपये आहरण करके शासकीय राशि गबन करना पाया गया। उपरोक्त सरपंच और सचिव के द्वारा अपने 06 वर्ष के कार्यकाल में शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत गांव में सी.सी.रोड, चौपालसभा निर्माण,पुलिया, नाली निर्माण,पंचायत भवन मरम्मत के विभिन्न 09 प्रकार के कार्यों के लिये स्वीकृत उपरोक्त राशि को बिना कार्य कराये उक्त दोनो आरोपियों ने संयुक्त हस्ताक्षर कर शासकीय राशि का आहरण कर गबन कर लिया।

आरोपीगण 01-बीरन सिंह काकोडिया सरपंच,02-मिथलेश उद्दे सचिव ग्राम पंचायत बेलखेडी के विरुद्ध पद का दुरुपयोग करने,शासकीय राशि का गबन किये जाने के आरोपो को प्रमाणित होने पर अपराध क्र. 153/25,धारा 409,420,120 बी,भा.द.वि.एवं धारा 7 सी,13 (1) ए,13 (2)भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 संशोधित 2018 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विधायक नारायण सिंह पट्टा ने शिक्षा को लेकर की पहल

मंडला, सांध्य प्रकाश। जिले के बिछिया विधानसभा के विधायक नारायण सिंह पट्टा ने जिले चरमराई हुई शिक्षा व्यवस्था को विधानसभा तक पहुंचाया। जिले की सरकारी शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर विधानसभा सदन में बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा जी ने चर्चा में आये प्रश्न पर स्कूल शिक्षा मंत्री से तीखे सवाल जवाब किये। विधायक श्री पट्टा के सवालों पर मंत्री जी ने ग?बि?यों एवं लापरवाहियों को स्वीकार किया है और राज्य स्तर से जाँच का आश्वासन भी दिया है, हर स्तर के अधिकारी इस जाँच के दायरे में आएंगे। विधायक श्री पट्टा ने बताया कि बालिका छात्रावास अरौली के भवन निर्माण को लेकर भी जिले में हमारे प्रयासों को सफलता मिली है। सदन में क्षेत्र के विकास और जनता के अधिकारों की ल?ई को लेकर बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा ने आश्वासन दिया कि जिले के विकास की उनकी यह प्रयास हमेशा जारी रहेगी।

होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा के 79वें स्थापना दिवस पर जवानों का सम्मान, महापौर ने ली सलामी

छिंदवाड़ा, सांध्य प्रकाश। डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड्स कार्यालय परिसर में शनिवार को होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन का 79वां स्थापना दिवस उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में महापौर विक्रम अहके तथा कलेक्टर हरेंद्र नारायण कार्यक्रम में शामिल हुए। महापौर ने परेड की सलामी लेकर जवानों के मनोबल को बढ़ाया।कार्यक्रम में होमगार्ड जिला कमांडेंट स्नेहलता पाठ्य,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष खरे, वार्ड पार्षद संतोष राय, भाजपा नेता आतिश ठाकरे,धीरज राऊत, सिद्धांत सिंगारे, सौरभ वर्मा ,श्याम इवनाती उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट सेवाओं और सराहनीय कार्यों के लिए होमगार्ड्स अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वयंसेवकों को सम्मानित किया गया। सिविल डिफेंस टीम द्वारा बचाव एवं राहत उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसका निरीक्षण मुख्य अतिथि ने किया।

महापौर विक्रम अहके ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन केवल एक संस्था नहीं बल्कि सुरक्षा व्यवस्था का मजबूत स्तंभ है। आपदा और संकट की घड़ी में सबसे पहले सहायता पहुंचाने वालों में होमगार्ड्स सदस्यों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि परेड और डेमोंस्ट्रेशन के माध्यम से जवानों की तैयारी और अनुशासन देखने का अवसर मिला, जो सराहनीय है। उल्लेखनीय है कि होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन राज्य की आंतरिक सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, दुर्घटना सहायता और राहत कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान देता आ रहा है। स्थापना दिवस मनाने का उद्देश्य जवानों के साहस, समर्पण और सेवाओं के महत्व को याद करना तथा नागरिकों में सुरक्षा व जागरूकता की भावना को बढ़ाना है।

नवम्बर माह में 68 गुम नाबालिग बालक/बालिका को खोजकर परिवार को सौंपा

छिंदवाड़ा, सांध्य प्रकाश। मध्य प्रदेश गृह विभाग एवं पुलिस मुख्यालय के आदेश अनुसार जिला छिंदवाड़ा में ऑपरेशन मुस्कान अभियान पुलिस अधीक्षक अजय पांडे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशीष खरे के नेतृत्व में चलाया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त थानो में थाना स्तर पर एवं जिला स्तर पर गुम बालक बालिकाओं की पतासाजी करने हेतु टीम गठित कर लगातार मॉनिटरिंग की गई। थानो द्वारा राज्य के बाहर हरियाणा ,नागपुर पुणे महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, नई दिल्ली, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, कुल 09 राज्यों से 16 बालिकाओं की तलाश कर सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया गया। इसी प्रकार राज्य के अंदर विभिन्न जैसे सिवनी, होशंगाबाद, नरसिंहपुर, रायसेन, भोपाल, जबलपुर, इंदौर, मंडला कुल 08 जिलों से 13 बालिकाओं को तलाश कर सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया गया। अभियान परिणाम स्वरुप जिला छिंदवाड़ा जबलपुर संभाग में 63 बालिकाओं को दस्तयाब करते हुए जबलपुर जोन में प्रथम स्थान प्राप्त किया हैं।इसी प्रकार जागरूकता अभियान अंतर्गत जिले के स्कूलों में थाना स्तर पर विषय- पोक्सो एक्ट, जेजे एक्ट, बाल तस्करी, बाल विवाह, बाल श्रम, साइबर क्राइम, गुड टच वैड टच एवं बाल संरक्षण अधिनियम, शिक्षा के अधिकार, एवं पुलिस की कार्याप्रणाली हेल्पलाइन नंबर 112, 1930, 1098, 1099 के सम्बन्ध में विस्तार से बताया गया।

भोपाल श्री नारायण मिशन की 59वीं वार्षिक आम सभा संपन्न

श्रीमती श्यामल सुमन ने साल भर की गतिविधियों पर प्रकाश डाला

भोपाल, सांध्य प्रकाश। श्री नारायण मिशन, भोपाल की 59वीं वार्षिक आम सभा दिनांक 07 दिसंबर 2025 (रविवार) को प्रातः 10ः30 बजे श्री नारायण भवन, भोपाल में सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

सभा में मिशन के पदाधिकारियों, सदस्यों तथा समाजसेवियों ने सहभागिता करते हुए संगठन के वार्षिक कार्यों की समीक्षा, आगामी योजनाओं पर चर्चा तथा सामाजिक सेवा से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों को पारित किया।

कार्यक्रम का संचालन मिशन के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा किया गया तथा वर्षभर की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। सभा के अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर प्रेसिडेंट प्रकाशनन स, जनरल सेक्रेटरी राजू बी, वाइस प्रेसिडेंट श्यामला सोमन, ट्रेजरार सुनील कृष्णन कोषाध्यक्ष सुनील कृष्णा आदि

विधायक उईके की आवाज बुलंद, विधानसभा में गूंजे तहसील, कॉलेज और सड़कों के मुद्दे

पांढुर्णा, सांध्य प्रकाश। क्षेत्रीय विधायक निलेश उईके ने शुक्रवार को विधानसभा सत्र के दौरान सभापति महोदय के समक्ष पांढुर्णा नगर और ग्रामीण अंचल की कई जमीनी समस्याओं को उठाते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की। विधायक ने प्रमुख रूप से आदिवासियों के आस्था के केंद्र देवगढ़ किले को पर्यटन स्थल घोषित करने और इसके रखरखाव के लिए राशि आवंटित करने की मांग की। इन्होंने कलेक्टर कार्यालय के भवन को शहर से बाहर न ले जाते हुए मंडी परिसर में ही बनाने का प्रस्ताव रखा, जो कि पांढुर्णा जिले की जनता की लंबे समय से मांग रही है। विधायक निलेश उईके ने वरूड़ रोड पर स्थित ओवरब्रिज निर्माण के लिए प्रशासकीय स्वीकृति दिए जाने पर सभापति महोदय का आभार व्यक्त किया।

मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सांवरी और नांदनवाड़ी उप-तहसीलों को पूर्ण तहसील का दर्जा देने, नांदनवाड़ी में एकलव्य विद्यालय, पाठई में महाविद्यालय (कॉलेज) तथा मैनीखापा में कन्या छात्रावास स्वीकृत करने, हीरावाड़ी-नांदनवाड़ी अस्पताल में पर्याप्त डॉक्टरों की तुरंत पदस्थापना तथा क्षेत्र में जर्जर शाला भवनों के जीर्णोद्धार के लिए राशि की मांग की।

बुरी हालत में पड़ी सड़कों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि इन सड़कों के खराब होने से ग्रामीण जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन्होंने सरकार से इन अति-आवश्यक सड़कों के निर्माण को स्वीकृत करने की अपील की जिसमें डोडिया से डोडिया ढाना, बिजाडोरा से कोहट, उत्तमडेरा से ढोलनखापा, पीपलपानी से सातभाई ढाना तथा लेंढोरी से रैयतवाड़ी सडक शामिल है।

सेंट एंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने गर्व के साथ दा विंची सोकरबट चैंपियनशिप 2025 की मेजबानी की

सीहोर, सांध्य प्रकाश। सेंट एंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल की अग्रणी पहल छात्रों के इंजीनियर रिंग कौशल को बढ़ाने के लिए एवं रोबोटिक ज्ञान कुशलता बढ़ाने के लिए उत्कृष्ट अग्रणीय प्रयास सेंटेंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने गर्व के साथ दा विंची सोकरबट चैंपियनशिप 2025 की मेजबानी की चैंपियनशिप 5 एवं 6 दिसंबर को 2025 को आयोजित की गई कार्यक्रम का उद्घाटन श्री प्रिंस राठौर नगर पालिका अध्यक्ष सीहोर एवं श्री संजय सिंह तोमर जिला शिक्षा अधिकारी सीहोर ने किया प्रसिद्ध हस्तियां एवं वरिष्ठ जनों द्वारा छात्रों का उत्साह वर्धन किया गया छात्रों के पालक भी छात्रों के कौशल को देखने के लिए उपस्थित रहे प्रतियोगिता में सीहोर के विभिन्न स्कूलों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया इसमें ब्लू वर्ल्ड हाई स्कूल सेंट मेरिज रेजिडेंशियल हायर सेकेंडरी स्कूल एवं लुर्द माता कॉन्वेंट स्कूल शामिल थे इस चैंपियनशिप की तैयारी इंटरनेशनल स्टीम रिसर्च ग्रुप के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में आयोजित इन वर्कशॉप में छात्रों को तकनीकी और इंजीनियरिंग स्किल रोबोटिक दक्षता रोबोट बनाना एवं कोडिंग संबंधित नॉलेज बल्कि ब्रांडिंग एवं लोगो डिजाइन भी छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया एवं विश्व में चल रहा है नए नए आविष्कारों की जानकारी प्राप्त की छात्रों ने कार्यक्रम में अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां दी एवं छात्र-छात्राओं द्वारा बनाए गए रोबोट का प्रजेंटेशन भी दिया छात्र-छात्राओं द्वारा बनाए गए रोबोट को सभी ने सराह एवं प्रशंसा की यह प्रयास छात्रों के इंजीनियरिंग विकास के लिए सेंटेंस स्कूल का अग्रणीय प्रयास है जिसकी जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है क्योंकि आज के विद्यार्थी भारत का उज्जवल भविष्य है सिस्टर अलका प्रिंसिपल सेंटेंस सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने कहा कि हमें गर्व है कि हमने दा विंची सोकरबट चैंपियनशिप 2025 की मेजबानी की उन्होंने कहा सीहोर की अगली पीढ़ी को ज्ञान एवं इंजीनियरिंग स्किल रोबोटिक स्किल कि जानकारी ज्ञान होना बहुत जरूरी है जिससे छात्र-छात्राएं विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धा के ज्ञान से सुसज्जित रहे सिस्टर अलका ने सभी मुख्य अतिथियों गणमान्य नागरिकों स्कूल स्टाफ एवं आए हुए छात्रों के पालकों का आभार व्यक्त किया एवं विद्यार्थियों छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की उन्होंने कहा कि आज के छात्र भारत का उज्जवल भविष्य है

रेल की दो पटरियाँ, विरासत और विकास

अपनी विरासत से जुड़ना और जागृत रहना उतना ही जरूरी है, जितना जनता के लिए जरूरी साधन, सुविधा और सुरक्षा प्रबंधों का विकास। कोई लीडर यह नहीं चाहता कि जनता परेशान हो। सत्ता में उनकी उपस्थिति नौकरशाहों जैसी शाश्वत नहीं है। एक आम आदमी किसी निर्वाचित प्रतिनिधि को घेरकर खरीखोटी सुना सकता है और वह विनम्रता से सुन भी लेगा मगर भारत की सर्वाधिक प्रतिष्ठित लोकसेवा आयोग की परीक्षा से चयनित और मसूरी की प्रशासन अकादमी से पवित्र होकर निकले किसी अफसर के पास फटक नहीं सकता। जबकि सारे किए कराए के लिए वे भी बराबर से अधिक के भागीदार हैं।

विजयमनोहरतिवारी

मध्यप्रदेश वन्यजीव बोर्ड में सदस्य के नाते एक बैठक में मैंने प्रदेश के सभी नेशनल पार्कों और सेंक्चुरीज में नष्ट हो रहे पुरातात्विक महत्व के स्मारकों की सूची बनाने का सुझाव दिया था। बोर्ड के अध्यक्ष मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की तत्परता से वन विभाग ने अपने सभी पार्क संचालकों को निर्देशित किया कि कहीं भी पुराने मंदिर, महल, किले, ग?ी, दरवाजे, दीवार, शिलालेख, समाधियाँ या घाट हों तो उन्हें सूचीबद्ध किया जाए। दो महीने पहले तक लगभग डे? हजार स्थान ऐसे स्थान विभाग की जानकारी में आए और यह कार्य अभी जारी है।

खोई हुई विरासत को सहेजने के पहले यह तो पता हो कि विरासत कहाँ-कहाँ फैली हुई है और किस हाल में है। जंगलों में पुराने समय के बेहिसाब स्मारक उपेक्षित प? हैं। चूंकि वे वन विभाग के दायरे में हैं इसलिए पुरातत्व विभाग को कोई लेना-देना नहीं है। वैसे पुरातत्व वालों को अपने ही स्मारकों की कितनी सुध है, यह सर्वज्ञात है। न अमला है, न पैसा है, न दृष्टि है, न इरादा है। वे कहाँ जंगलों में बरबाद हो रही विरासत की फिक्र पालेंगे।

भोपाल में राजा भोज की उंगली थामकर हम एक हजार साल पहले की महान विरासत से जु?। नवाबों की पहचान से भी पीछे भोपाल कुछ था, जहाँ भोज के समय 50 किलोमीटर के विशाल क्षेत्र में कई ब? प्रोजेक्ट पर काम हो रहा था। चौक बाजार को गूगल पर सेट करके जरा देखिए तो चौकोर आकृति की एक शानदार डिजाइन दिखाई देगी, जहाँ 90 डिग्री पर एक दूसरे को काटती हुई रेखाएँ नजर आएंगी। देश का यह इकलौता उदाहरण है, जहाँ हजार साल पहले के डिजाइन पर बसा हुआ शहर आज भी गूगल मैप से दिखाई देता है।

ब?ा तालाब भोज द्वारा कोलांस नदी पर निर्मित बांध के बैक वॉटर पर है, जिसे बचाना ही आज ही ब?ी चुनौती है। यहाँ से लेकर भोजपुर का मंदिर और बाँध, आशापुरी के मंदिर संकुल, रास्ते में एक और ब?ा बाँध, जिससे होकर आप भोजपुर पहुँचते हैं। राजा भोज की राजधानी भोपाल से ढाई सौ किलोमीटर दूर धार में थी तो भोज इतने ब? पैमाने पर यहाँ इतने मेगा प्रोजेक्ट क्यों लेकर आए थे? यह शोध का विषय है। भोजपुर का विशाल मंदिर भोज के समय का अधूरा प्रोजेक्ट है। भोज के महान कृतित्व को उनके ग्रंथों में भी देखा जा सकता है।

चलिए, हम विरासत के सहारे अपने अतीत से जु? गए। भोज की महानता का पता पहले धुंधला था। अब अधिक स्पष्ट हो गया। हम अतीत के एक हजार साल पुराने प?ाव पर पहुँचकर गर्व से भरे हैं। लौटकर वर्तमान में आइए। विकास की बात करते हैं। भोपाल को ही लीजिए। बिशनखेड़ी में आधुनिक मध्यप्रदेश की एक शानदार विरासत ख?ी है, जिसका नाम माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय है। भोपाल के लिए गर्व करने लायक यह अकेला ऐसा संस्थान है, जिसे एशिया का पहला और देश का सबसे ब?ा मीडिया का विश्वविद्यालय होने का गौरव प्राप्त है।

रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड या एयरपोर्ट पर उतरिए और तलाशिए कि किस नंबर की एसी या नॉन एसी बस सेवा आपको इस विश्वविद्यालय तक पहुँचाने वाली है? यह जानकर आपको बिल्कुल अच्छा नहीं लगेगा कि एक भी बस दादा माखनलाल चतुर्वेदी के नाम पर स्थापित इस अनूठे विश्वविद्यालय से शहर को नहीं जो?ती। आप टैक्सी कीजिए या अपनी कार से आइए।

यहाँ बीस राज्यों के दो हजार विद्यार्थी प?ते हैं। राजधानी के रूप में भोपाल के बारे में वे क्या राय बनाते हैं, कभी किसी मंच पर उन्हें बोलने का अवसर दीजिए। वे भविष्य के पत्रकार हैं, एंकर हैं, एडिटर हैं, प्रबंधक हैं और भोपाल की यह हालत देखते हुए वे डिग्री लेकर लौटेंगे तो क्या अनुभव लेकर जाएँगे? किसी ने सोचा?

बिहार और यूपी जैसे राज्यों में भी सार्वजनिक परिवहन मजबूती से कायम है। मैं रिपोर्टिंग के लिए देश के सभी राज्यों में घूमा हूँ और उनकी रोडवेज की बसों में खूब सफर किया है। मध्यप्रदेश में परिवहन निगम डूब चुका है और किसी के चेहरे पर शिकन नहीं है। आवागमन का सुरक्षित और सस्ता नेटवर्क किसी भी राज्य के लिए विकास की री? है। बेशक बीस सालों में इन्फ्रास्ट्रक्चर मजबूत हुआ है। स?कें अकल्पनीय रूप से बेहतर हुई हैं। मगर सार्वजनिक परिवहन नष्ट हो गया। प्राइवेट ऑपरेटर्स के लिए यह आपदा में अवसर उपलब्ध कराने जैसा है।

विरासत और विकास रेल की दो पटरियों की तरह है। अपनी विरासत से जु?ना और जागृत रहना उतना ही जरूरी है, जितना जनता के लिए जरूरी साधन, सुविधा और सुरक्षा प्रबंधों का विकास। कोई लीडर यह नहीं चाहता कि जनता परेशान हो। सत्ता में उनकी उपस्थिति नौकरशाहों जैसी स्थाई नहीं है।

एक आम आदमी किसी निर्वाचित प्रतिनिधि को घेरकर खरीखोटी सुना सकता है और वह विनम्रता से सुन भी लेगा मगर भारत की सर्वाधिक प्रतिष्ठित लोकसेवा आयोग की परीक्षा से चयनित और मसूरी की प्रशासन अकादमी से पवित्र होकर निकले किसी अफसर के पास फटक नहीं सकता। जबकि सारे किए कराए के लिए वे भी बराबर से अधिक के भागीदार हैं।

भोपाल की बात करूं और केवल पब्लिक ट्रांसपोर्ट तक सीमित रहूँ तो इस विषय से जु? सभी विभागों और निकायों के अफसरों को ही दोषी मानूंगा, जिन्होंने आराम से समय काटते हुए भट्ठा बैठने दिया। एक कतार से नगर निगम कमिश्नर, स्मार्ट सिटी के चलाएदार, बीसीएलएल के अधिकारी, नीचे से ऊपर तक बीस साल की सबकी शक्लें ध्यान से देखना चाहिए।

हाँ, स?कों और फुटपाथों पर बेहिसाब नाजायज कब्जों, अवैध पार्किंग और निर्माणों के लिए उनकी तुलना में हर कहीं अधिक जिम्मेदार जननेता ही पाए जाएंगे। यह मैं न भी कहूँ तो सब ज्यादा जानते हैं।

(संदर्भ- भोपाल और मध्यप्रदेश का पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम।)

भोपाल। मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला हुई। कार्यशाला में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन, उससे जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में कार्यशाला में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह भी मौजूद रहे।

सांसद आलोक शर्मा ने राजा भोज की नगरी भोपाल पधारे केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र शेखावत का राजा भोज विमानतल पर आत्मीय स्वागत किया।

सांध्यप्रकाश विशेष

मप्र मंडी बोर्ड के अनुसार आज दिनांक 07.12.2025 का सोयाबीन का भावांतर मोडल भाव रू 4222 प्रति क्विंटल है।

70 हजार के लिये फर्जी आईबी अफसर बना, आरोपी पुलिस रिमांड पर

क्यूसीआई में चेयरमेन बनाने का झांसा देकर इंजीनियर से 15 लाख की ठगी का मामला

भोपाल। क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया में चेयरमैन बनवाने का झांसा देकर इंजीनियर को 15 लाख की चपत लगाने में शामिल फर्जी आईबी अफसर को पुलिस ने आगे की पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया है। वहीं फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये भी उनके संभावित ठिकानो पर दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है, जल्द ही आरोपियों को भी दबोच लिया जाएगा। पुलिस के मुताबिक सागर कॉलोनी में रहने वाले 40 वर्षीय आशीष कुलश्रेष्ठ क्वालिटी कंट्रोल इंजीनियर हैं। उन्हें क्वालिटी कंट्रोल ऑफ इंडिया में चेयरमैन बनाने का झांसा देकर आरोपी आमोद कुमार पाठक और उसके दिल्ली में रहने वाले साथी नवीन सिंह ने 15 लाख रुपए ऐठ लिए थे। इतना ही नहीं भोपाल में फर्जी आईबी अफसर से वेरिफिकेशन भी कराया था। संदेह होने पर फरियादी के दोस्त ने उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया था। फर्जी आईबी अफसर ने पहले अपना नाम अशफाक आलम बताया था, लेकिन पकड़े जाने के बाद उसने अपना असली नाम राजेश कुमार बताया। उसे आरोपी नवीन कुमार ने ही आईबी अफसर बनने के लिए कहा था।

पुलिस मुख्यालय में सुरक्षाकर्मियों को दिया फायर सेफ्टी का प्रशिक्षण

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा लगातार पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को फायर सेफ्टी की ट्रेनिंग दी जा रही है। इसी तारतम्य में पुलिस मुख्यालय के भूतल पर सुरक्षाकर्मियों एवं कर्मचारियों को स्वयं को सुरक्षित रखते हुए आग पर काबू पाने का प्रशिक्षण दिया गया। अग्नि नियंत्रण संबंधी प्रशिक्षण में आधुनिक उपकरणों द्वारा आग बुझाने की मॉकड्रिल भी की गई। मॉकड्रिल के दौरान तरल पदार्थों में लगी आग को पुलिस के जवानों ने अग्निशमन यंत्रों के प्रयोग से किस तरह आसानी से

बुझाई जा सकती है, इसका प्रशिक्षण प्राप्त किया। सुरक्षाकर्मियों ने बिल्डिंगों, घरों, गोदामों आदि में लगी आग को धुएं और लपटों से बचकर बुझाने का प्रशिक्षण प्राप्त कर आग बुझाने का अभ्यास भी किया। मॉकड्रिल में प्रमुख रूप से पुलिस मुख्यालय के सुरक्षा इंचार्ज मुकेश सैनी, निरीक्षक मोहनलाल मेहरा, पुलिस फायर स्टेशन मंत्रालय, भोपाल के एसआई रूपचंद पंडित व उनकी टीम उपस्थित थी।

इन उपकरणों का दिया प्रशिक्षण- मॉकड्रिल के दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को आग बुझाने में प्रयोग किए जाने वाले आधुनिक उपकरणों के संबंध में जानकारी दी गई। आग बुझाने के दौरान प्रयोग में आने वाले कलेक्टिंग ब्रिज, डिवाइडिंग ब्रिज, फायर मेन हेलमेट, फोम नोजल, अग्निशमन सिलेंडर एवं कॉर्टेज, टॉर्च, रिवॉल्विंग नोजल, यूनिवर्सल ब्रांच, न्यू लाइट(ब्रांच), ऑर्डनरी ब्रांच, एडॉप्टर, जाली, फायर मेन एक्स, लॉक कटर, प्रॉक्सीमेटी सूट, एल्यूमिनियम सूट, कैमिकल सूट, ब्रीदिंग ऑपरेटर सेट, लाइफ जैकेट, हौज पाइप, फायर ब्लैंकेट, अग्निशमन यंत्र आदि की जानकारी दी गई।

शीतल दास की बगिया में गूंजा जय श्रीराम का उद्घोष

भोपाल, सांध्यप्रकाश। स्थित शीतल दास की बगिया में जाग्रत हिंदू मंच द्वारा शौर्य दिवस को पूरी श्रद्धा, ऊर्जा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम स्थल को धार्मिक झंडों और प्रतीकों से सजाया गया था। जय श्रीराम के नारों और भगवा ध्वजों से पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आया।

इस अवसर पर राम मंदिर आंदोलन में शहीद हुए कोठारी बंधुओं को विशेष श्रद्धांजलि दी गई। वक्ताओं ने कहा कि उनका बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। साथ ही देशभर के कार सेवकों को नमन करते हुए कहा गया कि उनके साहस और समर्पण के कारण ही आज राम मंदिर का सपना साकार हुआ है।

राम मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र: कार्यक्रम में जाग्रत हिंदू मंच के संरक्षक ने भावनात्मक और ओजस्वी भाषण दिया। उन्होंने कहा कि, यह दिन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि हिंदू समाज के संघर्ष, त्याग और विजय का प्रतीक है। 500 वर्षों की तपस्या, संघर्ष और बलिदान के बाद प्रभु श्रीराम को उनका भव्य और दिव्य मंदिर प्राप्त हुआ है। यह मंदिर केवल ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं, बल्कि यह करोड़ों हिंदुओं की आस्था, भक्ति और स्वाभिमान का केंद्र है।

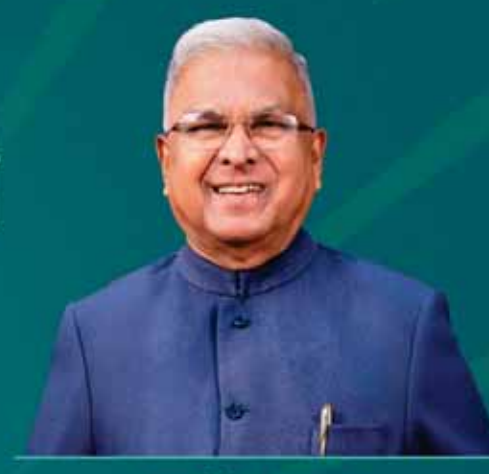

पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल के घर आए केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र शेखावत किया सम्मान

भोपाल केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत आज सुबह मध्य प्रदेश सरकार के वरिष्ठ पंचायत ग्रामीण एवं श्रम कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल के घर आए पटेल परिवार ने उनका शाल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया इस दौरान पंचायत मंत्री श्री पटेल की सुपुत्री प्रतिज्ञा पटेल की आकर्षक पेंटिंगों का भी केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने अवलोकन किया ज्ञात रहे कि श्री शेखावत एवं पटेल केंद्र सरकार में जल शक्ति मंत्रालय में साथ-साथ मंत्री रहे हैं

राष्ट्रीय स्तर के उत्कृष्टता पुरस्कारों में मप्र सायबर पुलिस का श्रेष्ठतम प्रदर्शन

भोपाल, सांध्यप्रकाश। साइबर सुरक्षा और डिजिटल अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए मध्यप्रदेश राज्य साइबर पुलिस को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित डीएससीआई अवॉर्ड 2025 प्रदान किया गया है। यह सम्मान मध्यप्रदेश साइबर पुलिस को नई दिल्ली में आयोजित वार्षिक समारोह में 'एक्सीलेंस इन कैपिसिटी बिल्डिंग ऑफ लॉ इंफोर्समेंट एजेंसीज' श्रेणी में देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर प्रदान किया गया। इस श्रेणी में मध्यप्रदेश सायबर पुलिस की प्रतिस्पर्धा केरल, गोवा और नार्थ ईस्ट पुलिस अकादमी से थी। इस सफलता पर पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश कैलाश मकवाणा ने राज्य सायबर पुलिस की पूरी टीम को बधाई दी है। यह पुरस्कार नेशनल साइबर सिक्योरिटी कोऑर्डिनेटर (क्क्ल्ह) नवीन कुमार सिंह द्वारा प्रदान किया गया, जिसे राज्य साइबर पुलिस की ओर से अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ए. साई मनोहर के निर्देशन में डीआईजी साइबर शियास ए, सउनि महेंद्र सिंह राजपूत एवं आरक्षक अतुल श्रीवास्तव ने ग्रहण किया।